शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग

नैक से 'B++' ग्रेड एवं स्टार कॉलेज (डी.बी.टी.) की अधिमान्यता प्राप्त महाविद्यालय

कैम्पस न्यूज

वर्ष - 6, अंक -8

वर्ष - जनवरी - 2024

राष्ट्रीय संगोष्ठी: उच्च शिक्षा विभाग निरंतर गुणवत्ता विकास में कार्य कर रहा है - श्रीमती वर्मा

महाविद्यालय में आई.क्यू.ए.सी. (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) के द्वारा 'उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में नवाचार और सुधार' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ की आयुक्त श्रीमती शारदा वर्मा मुख्य अतिथि थी। कार्यक्र म की अध्यक्षता साईन्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने की। अपने उद्बोधन में श्रीमती शारदा वर्मा ने कहा कि सभी शिक्षण संस्थान शिक्षण पद्धति में सुधार तथा अन्वेषण का कार्य स्वप्रेरणा से करते है तो मुझे हर्ष की अनुभूति होती है। उच्च शिक्षण संस्थाओं में जागरूकता आई है, वे स्वउत्थान के लिए निरंतर आगे बढ़ रहे है। विद्यार्थियों में जागरूकता लाना हो, उनके व्यक्तित्व विकास की बात हो, तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र हो या नई पद्धति से पढ़ाई हो, सभी शिक्षण संस्थान उत्कृष्ट कार्य कर रहे है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में लाभ होगा।

श्रीमती वर्मा ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग ने निरंतर गुणवत्ता विकास के लिये कार्य किया है जिससे राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश की छवि बनी है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि पूरे प्रदेश में 211 शासकीय महाविद्यालय नैक से मूल्यांकित हो चुके है। दुर्ग संभाग में भी 53 शासकीय महाविद्यालयों ने अपनी गुणवत्ता का मूल्यांकन नैक से कराकर अच्छा ग्रेड प्राप्त किया है। उन्होनें कहा कि अब सभी संस्थाओं की यह जवाबदारी है कि वे गुणवत्ता के मानक को निरंतर बनाये रखें तथा शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभायें। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. आर.एन. सिंह ने कहा कि नैक मूल्यांकन के क्षेत्र में उच्च शिक्षा विभाग ने अच्छा मुकाम हासिल किया है। नैक के लिए वर्तमान में बेंचमार्क निर्धारित हो गया है, उसके अनुसार योजना बनाना, उसका क्रियान्वयन करना निश्चित है। इस नए प्रक्रिया में हमें बहुत अच्छे परिणाम मिले। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता डॉ. जी.ए. घनश्याम ने कहा कि हर क्षेत्र में गुणवत्ता का उन्नयन हुआ है। उच्च शिक्षा में गुणवत्ता के लिए शिक्षा में नवाचार एवं नवीन पद्धति का होना आवश्यक है। द्वितीय सत्र की अतिथि वक्ता शासकीय नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर के भौतिकशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. अंजली अवधिया ने कहा कि 'विद्यार्थी केन्द्रित शिक्षाशास्त्र के माध्यम से गुणवत्ता शिक्षा' आज की आवश्यकता है। उन्होनें इस पर विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की। मणिपाल विश्वविद्यालय की रजिस्ट्रार डॉ. नीतू भटनागर ने 'अकादमिक ऑडिट और इसका संबंध नैक/एन.बी.ए. मान्यता में प्रासंगिकता' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. यास्मीन फातिमा परवेज, सहायक प्राध्यापक, रसायन ने 'संशोधित मान्यता ढांचे में ए और ए कार्यप्रणाली' विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. अनुपमा अस्थाना ने नैक में टीमवर्क पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

अपनी बात

प्राचार्य
डॉ. सुशीलचन्द्र तिवारी

शोध, अनुसंधान और शैक्षणेत्तर गतिविधियों के माध्यम से ज्ञान का प्रत्येक कोना पुष्पित और पल्लवित होता है। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में यह विशेष महत्व रखता है और यही वह माध्यम है जिससे ज्ञान के हर क्षेत्र में प्रगति और विकास होता है। हमारा यह कन्या महाविद्यालय क्रमशः प्रगति के अनेक सोपानों को पारकर इस गौरवशाली स्थान पर पहुँचा है। न केवल विज्ञान, वाणिज्य, कला जैसे मूल विषय अपितु प्रदर्शनात्मक कलाओं तथा क्रीड़ा के क्षेत्र में भी इसने उच्च-स्तरीय छाप छोड़ी है। राष्ट्रीय सेवा योजना, यूथ रेडक्रॉस, ग्रीन आर्मी तथा एकक्वा क्लब ने बखूबी अपने दायित्वों का निर्वहन किया है जिससे वे बधाई के पात्र है। मेरी सेवा के अंतिम 42 वें वर्ष में मुझे गर्व है कि प्राध्यापकों, छात्राओं, कर्मचारियों ने इस महाविद्यालय को उत्कृष्ट बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। सभी का हृदय से आभार जिनके प्रयासों से सफल हो सके।

युवा संकल्प कार्यक्रम आयोजित शत-प्रतिशत मतदान की ली शपथ

महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत युवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। स्वीप कार्यक्रम के संयोजक डॉ. व्ही.के. वासनिक ने जानकारी देते हुए बताया कि महाविद्यालय की छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों ने 17 नवंबर को शत-प्रतिशत मतदान के लिये शपथ ली। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने सभी को संकल्प दिलाया कि धर्म, जाति, भाषा से ऊपर उठकर देश हित और मजबूत लोकतंत्र के लिये सभी निर्वाचनों में मतदान करेंगे तथा इसके लिये प्रेरित भी करेंगे। उन्होनें बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने हेतु स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय में पतंग उत्सव, अम्ब्रेला निर्माण तथा बैलून के माध्यम से जागरूकता अभियान आयोजित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय में गरबा नृत्य, रंगोली, मेंहदी तथा पोस्टर प्रतियोगिताओं के माध्यम से मतदाता जागरूकता तथा शत-प्रतिशत मतदान का आव्हान किया जा रहा है।

देसी डे का आयोजन

महाविद्यालय में नवरात्रि पर्व के विशेष अवसर पर नृत्य विभाग द्वारा ''गरबा स्पर्धा'' का शानदार आयोजन किया गया। नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष गरबा स्पर्धा का आयोजन विगत 4 वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं की भागीदारी इसकी लोकप्रियता को प्रदर्शित करता है। विजेता समूहों को रनिंग ट्रॉफी के साथ पुरस्कार भी दिए जाते हैं। 'देशी डे' के नाम पर आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शासकीय विज्ञान महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन से प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलता है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि हमारी संस्कृति, परम्परा को सहेजना और युवा पीढ़ी को परिचित कराना ऐसे आयोजन उसे सार्थक बनाते हैं। उन्होंने छात्राओं की बड़ी संख्या में सहभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदर्शनात्मक कला के विकास से व्यक्तित्व के विकास का उद्देश्य पूर्ण होता है। आज की स्पर्धा में नृत्यांजलि समूह ने सर्वप्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि मां शारदा एवं चण्डिका समूह क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर एवं रिया कुशवाहा ने किया।

डॉ. आर.एन. सिंह का सम्मान समारोह

शैक्षणिक गतिविधियों में गुणवत्ता बढ़ी है - डॉ. आर.एन. सिंह

महाविद्यालय में जिले के अग्रणी महाविद्यालय शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह के सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मान किया गया तथा उनके उच्च शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान पर सभी ने उन्हें बधाई दी।

आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. आर.एन. सिंह ने कहा कि विगत 40 वर्षों में उच्च शिक्षा में काफी बदलाव आया है। शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर गतिविधियों में गुणवत्ता का विकास हुआ है। शिक्षक, विद्यार्थी, संस्था का राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन से व्यापक परिवर्तन आया है, गुणवत्ता बढ़ी है।

उन्होनें विद्यार्थियों के हित में अध्ययन-अध्यापन का क्रम निरंतर जारी रखने का आह्वान करते हुए अनुशासन एवं कर्तव्य का पालन सुनिश्चित करने को कहा। उन्होनें अपनी दीर्घ सेवा के दौरान मिले सहयोग को अविस्मरणीय बताया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने डॉ. आर.एन. सिंह के कर्मठ और सक्रिय व्यक्तित्व की चर्चा करते हुए कई संस्मरण सांझा किए। वरष्ठि प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने भी डॉ. आर.एन. सिंह के योगदान की चर्चा की। महाविद्यालय परिवार द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

दुर्ग सेक्टर व्हॉलीबाल प्रतियोगिता में गर्ल्स कॉलेज विजेता

महाविद्यालय की महिला व्हॉलीबाल की टीम ने सेक्टर स्तरीय व्हालीबाल प्रतियोगिता में विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। महाविद्यालय में आयोजित सेक्टर स्तरीय महाविद्यालयीन व्हॉलीबाल प्रतियोगिता में जिले की दस टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का फाईनल मैच स्वामी स्वरूपानन्द महाविद्यालय हुडको, भिलाई तथा गर्ल्स कॉलेज दुर्ग के बीच खेला गया। इस मैच में गर्ल्स कॉलेज दुर्ग की टीम ने स्वरूपानन्द महाविद्यालय की टीम को बड़े अंतर से पराजित किया। विगत कई वर्षों से महिला व्हॉलीबाल प्रतियोगिता में गर्ल्स कॉलेज की टीम लगातार विजयी रही है। महाविद्यालय की टीम की कप्तान - कु. प्रिया शिखा एवं टीम को महाविद्यालय के प्राचार्य एवं क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने बधाई दी है।

दुर्ग सेक्टर की टीम घोषित कर दी गई है जिसमें महाविद्यालय की पाँच छात्राओं ने जगह बनाई है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता गुरूकुल महाविद्यालय, रायपुर में आयोजित की जा रही है।

विजेता टीम में तोमेश्वरी जंघेल, दीप्ती राठौर, अनुष्का निषाद, निरजरा तांडी, राखी सिंह ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया अन्य खिलाड़ी थे प्रियंका साव, डोना साहू, कविता जेना, करिश्मा हिडको, अनुराधा कावड़े, टीम मैनेजर-डॉ. ऋतु दुबे तथा प्रशिक्षक सुश्री दिव्या साहू एवं सुश्री मधु थी। महाविद्यालय क्रीड़ा समिति की संयोजिका डॉ. सुषमा यादव सदस्य श्री जागृत ठाकुर एवं महाविद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दी।

सतर्कता जागरूकता पर वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

महाविद्यालय में फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड, निमन कार्यालय भिलाई द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अन्तर्गत ''भ्रष्टाचार मुक्त भारत का निर्माण, आम-नागरिकों की भागीदारी से संभव है'' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी एवं विशेष अतिथि श्री पंकज त्यागी, महाप्रबंधक फेरो स्क्रैप निगम भिलाई, श्री प्रभाकर सिंह ठाकुर, उपमहाप्रबंधक फेरो स्क्रैप निगम भिलाई उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने अपने उदबोधन में कहा कि भारत को भ्रष्टाचार से मुक्त करने के लिए जनसहयोग आवश्यक है। यदि भारत का हर नागरिक अच्छी सोंच रखें तो भ्रष्टाचार का प्रभाव कम हो सकता है। कहीं भी किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार न हो इसके लिए हमें भी सतर्क व जागरूक होना चाहिए।

कार्यक्रम के विशिष्ठ अतिथि पंकज त्यागी ने कहा कि- भ्रष्टाचार एक गंभीर बीमारी की तरह है। इसका इलाज जनजागरण से ही संभव है आज के युवा राष्ट्र निर्माण में सहयोग प्रदान करें और कही पर भी भ्रष्टाचार न हो इसके प्रति सचेत रहकर दायित्व का निर्वहन करें।

फेरो स्क्रैप के सतर्कता अधिकारी प्रभाकर सिंह ठाकुर ने कहा कि देश का विकास युवाओं की जिम्मेदारी है। युवा वर्ग भ्रष्टाचार का विरोध कर राष्ट्र के प्रति समर्पित रहें। आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता के पक्ष में कु. पूजा चेलक तथा विपक्ष में कु. प्रेक्षा यादव ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कु. गीतू यादव ने पक्ष में तथा प्रेरणा सुकेतल ने विपक्ष में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान पर कु. सुमन साहू एवं वर्षा देवांगन रहीं। वहीं काव्यशिखा एवं जान्हवी को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, श्रीमती ज्योति भरणे, कु. मधु पाण्डे प्रतियोगिता निर्णायक रहें। कार्यक्रम के संयोजक श्रीनिवास फेरो स्क्रैप निगम का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती राठौर व धन्यवाद ज्ञापन श्री छगनलाल नागवंशी राजभाषा अधिकारी ने दिया।

अंतर्राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन दिवस

महाविद्यालय में भूगोल विभाग के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रमुख सेनानी नागेन्द्र कुमार सिंह थे। उन्होनें अपने उद्बोधन में कहा कि आपदा प्रबंधन में उसके कारण एवं बचाव के विभिन्न तरीकें है जिनके बारे में सभी को जानकारी होना आवश्यक है। उन्होनें विभिन्न घटनाओं की चर्चा करते हुए सफल उपायों की जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राचार्य ने आपदा प्रबंधन की आवश्यकता एवं महत्व पर अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिता आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में 30 छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें प्रथम स्थान पर कु. समृद्धि ठाकुर द्वितीय स्थान पर कु. दिप्ति साहू, तथा तृतीय स्थान पर कु. आरती ठाकुर एवं कु. यामिनी रहीं। प्रश्नमंच प्रतियोगिता में प्रथम कु. खिलेश्वरी ठाकुर-एम.ए. भूगोल, द्वितीय आरती ठाकुर-एम.ए. भूगोल एवं तृतीय स्थान पर कु. तुष्मा नेताम-बी.ए. भाग-2 रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुषमा यादव, विभागाध्यक्ष भूगोल एवं आभार प्रदर्शन श्री नितिन कुमार देवांगन ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्रायें तथा प्राध्यापकगण उपस्थित थे।

''एक तारीख एक घण्टा'' स्वच्छता अभियान

महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा एक तारीख एक घण्टा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय के प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्राओं द्वारा सार्वजनिक स्थानों एवं परिसर में सफाई की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने स्वच्छता संबंधी शपथ दिलाई। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि परिसर की स्वच्छता के साथ-साथ आसपास की सफाई रखना भी हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होनें छात्राओं को इसके लिये जनजागरूकता की पहल करने का आव्हान किया। महाविद्यालय की एन.एस.एस. की छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा 5 बिल्डिंग क्षेत्र एवं यात्री प्रतीक्षालय तथा महाविद्यालय परिसर में वृहद् स्वच्छता अभियान चलाया गया। महाविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचरियों ने यात्री प्रतीक्षालय को साफ-सुथरा बनाया। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं श्रीमती वंदना बंजारे ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया।

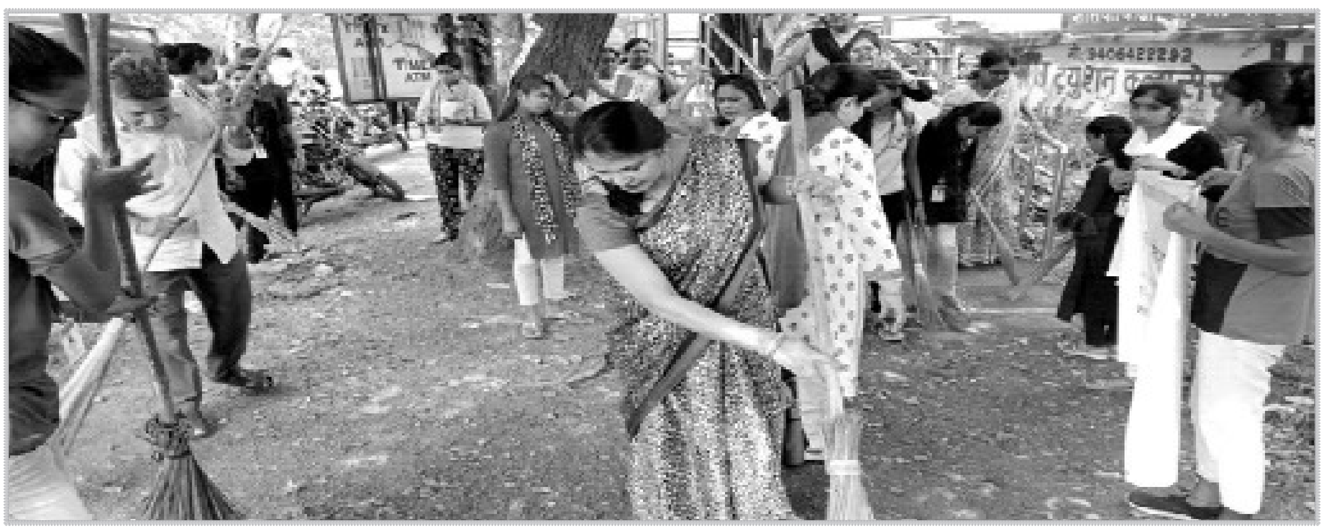

विश्वकर्मा जयंती

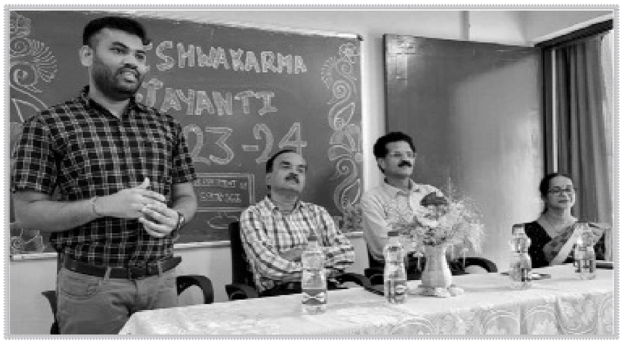

महाविद्यालय में विश्वकर्मा जयंती के अवसर वद्यालय के कम्प्यूटर साईंस विभाग द्वारा विश्वकर्मा पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी, प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल (अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष) प्राध्यापक डॉ. ऋचा ठाकुर (नृत्य विभाग विभागाध्यक्ष), प्राध्यापक डॉ. मीरा गुप्ता (भौतिकी विभागाध्यक्ष), सहायक प्राध्यापक श्री गणेश राम नायक (कम्प्यूटर साईंस विभागाध्यक्ष) सहायक प्राध्यापक श्री जागृत ठाकुर, श्रीमती मीनाक्षी सिंह, हिमांशु यादव एवं बी.एस.सी. कम्प्यूटर साईंस, बी.कॉम. कम्प्यूटर एप्लीकेशन व पीजीडीसीए की छात्रायें उपस्थित थे। इस अवसर पर कम्प्यूटर विभाग के विभागाध्यक्ष श्री गणेश राम नायक ने Science, Engineering और Technology के बीच परस्पर सम्बन्ध बताते हुए छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के संदर्भ में मार्गदर्शन के साथ विश्वकर्मा जयंती की शुभकामनायें दी और कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ. ऋचा ठाकुर ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स की उपयोगिता को बताते हुये कहा कि आज का आर्टिफिशियल इंटेलीजेन्स की अवधारणा विश्वकर्मा जी के काल से चलते आ रहा है, तत्पश्चात् डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने विश्वकर्मा जी के कार्यों का उल्लेख करते हुये उनकी जीवनी का संक्षिप्त में व्याख्यान किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं के भविष्य को देखते हुए कम्प्यूटर साईंस विभाग में पीजी कोर्स प्रारंभ करने की सम्भावना को व्यक्त किया। इसके साथ ही छात्राओं को उनके भविष्य के संबंध में मार्गदर्शन भी दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्राओं द्वारा भी विश्वकर्मा जी के जीवनकाल एवं कार्यो का संक्षिप्त विवरण दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में पीजीडीसीए के छात्रायें यामिनी साहू और लक्ष्मी साहू द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

कॅरियर गाइडेन्स एवं कैम्पस ड्राइव

महाविद्यालय के प्लेसमेन्ट सेल के तत्वावधान में कॅरियर काउंसिलिंग पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विषय-विशेषज्ञ प्रकाश पालीवाल ने रोजगार के विभिन्न अवसरों पर प्रकाश डालते हुए विज्ञान एवं वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध रोजगार पर प्रकाश डाला। प्रकाश पालीवाल जी ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे- पीएससी, रेलवे, एसएससी, व्यापाम की तैयारी कैसे करना है एवं उसमें सफलता कैसे प्राप्त की जाती है इस पर चर्चा की।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुये कहा कि कॅरियर के प्रति अपना लक्ष्य निर्धारित करके ही आगे बढ़ा जा सकता है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्रायें उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुषमा यादव ने तथा आभार प्रदर्शन श्री जागृत ठाकुर ने किया।

महाविद्यालय में अर्थशास्त्र परिषद का उद्घाटन

ग्रीन-आर्मी ने उठाया स्वच्छता का बीड़ा

विगत दिनों महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा अर्थशास्त्र परिषद का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अर्थशास्त्र की छात्राओं को सम्बोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने परिषद के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए आह्वान किया कि उन्हें विभागीय गतिविधियों के साथ-साथ महाविद्यालय की अकादमिक एवं गैर अकादमिक गतिविधियाँ में भी सक्रियता से भागीदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि एम.ए. अर्थशास्त्र की छात्राओं द्वारा ग्रीन आर्मी का गठन किया गया है जो पूरे सत्र भर महाविद्यालय की स्वच्छता एवं बगीचों के संधारण में अपना योगदान देगी।

ग्रीन आर्मी एवं अर्थशास्त्र परिषद की प्रभारी डॉ. मुक्ता बांखला ने अपने उद्बोधन में छात्राओं को परिषद के महत्व को बताते हुए स्पष्ट किया कि परिषद को अपने कार्यों के अन्तर्गत विभागीय गतिविधियाँ का संचालन कैसे करना चाहिए? नेट/स्लेट की तैयारी, पावर पाईंट प्रस्तुति, पोस्टर प्रदर्शनी, शैक्षणिक भ्रमण, व्याख्यानमालाओं के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाना है। ग्रीन आर्मी को भी उन्होनें विभिन्न दायित्व सौंपते हुए अपेक्षा की कि महाविद्यालय की अन्य छात्राओं के लिए भी ये छात्राएँ उदाहरण प्रस्तुत करेंगी।

प्राध्यापक डॉ. दीपक कश्यप ने सभी छात्राओं को पावर पाईंट प्रस्तुति एवं नेट/स्लेट जैसी परीक्षाओं में सफलता के लिए आवश्यक बिन्दुओं पर चर्चा की। अर्थशास्त्र परिषद के निम्न पदाधिकारी नामांकित किये गये। अध्यक्ष- कु. आमिनी साहू, उपाध्यक्ष-कु. कोमल देवांगन, सचिव- कु. देवंतिन कुंजाम, सहसचिव- कु. भारती साहू, कोषाध्यक्ष - कु. वंदना शर्मा। अध्यक्ष, कु. आमिनी साहू ने प्राध्यापकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए ग्रीन आर्मी के माध्यम से महाविद्यालय को स्वच्द रखने में अपने टीम के साथ पूर्ण सहयोग देने का वायदा किया।

साक्षरता दिवस आयोजित

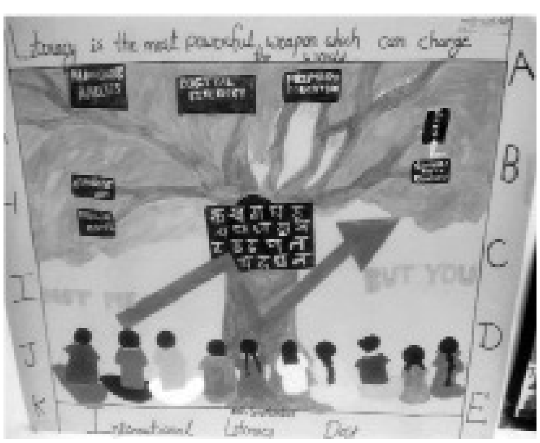

महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा साक्षरता दिवस पर विभिन्न आयोजन किये गये। समाजशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मोनिया राकेष ने जानकारी देते हुए बताया कि दुनियाभर की आबादी तक हर देश, हर समाज, हर गाँव, हर समुदाय तक लोगों को शिक्षित बनाना ही इस दिवस का उद्देश्य है। जितने ज्यादा लोग शिक्षा ग्रहण करेंगे उतना ही बेहतर भविष्य बनेगा। इस अवसर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में बीए. भाग-3 की कु. आशा साहू-प्रथम तथा एम.एससी. प्राणीशास्त्र की कु. दिप्ति साहू एवं बी.ए. भाग-3 की कु. तुलेश्वरी कुंजाम क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहीं।

पोस्टर प्रतियोगिता में बी.ए. भाग-3 की कु. दानेश्वरी बंजारे-प्रथम तथा पीजीडीसीए की कु. आरती जोशी -द्वितीय एवं बी.ए. भाग-3 की कु. आशा साहू तृतीय स्थान पर रहीं। महाविद्यालय के प्राचार्य ने पोस्टर प्रदर्शनी का अवलोकन कर पुरस्कृत छात्राओं को बधाई दी।

अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष-2023

खाद्य एवं कृषि संगठन और राष्ट्र संघ एवं भारत सरकार ने 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया है। समाज में मिलेट्स के पोषण संबंधी लाभ एवं उपभोग के प्रति जागरूकता लाने के उद्देष्य को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा सितम्बर माह में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है। विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने बताया कि इस अवसर पर विभाग द्वारा पोस्टर, स्लोगन प्रतियोगिता, जागरूकता रैली, मिलेट रंगोली, पावर प्वाईन्ट प्रजेन्टेशन, कुकिंग प्रतियोगिता, अतिथि व्याख्यान आयोजित किया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने बताया कि प्रथम चरण में पोस्टर, स्लोगन प्रतियोगिता, जागरूकता रैली एवं कुकिंग प्रतियोगिता आयोजित किया। पोस्टर के माध्यम से छात्राओं ने मानव कृषक एवं प्लेनेट को मिलेट्स से होने वाले लाभो, भारत के विभिन्न राज्यों में उगाये जाने वाले मिलेट्स एवं मिलेट्स के प्रकारों को प्रदर्शित किया। स्लोगन एवं जागरूकता रैली द्वारा मिलेट्स के लाभों एवं उनके उपयोग हेतु लोगों को प्रेरित किया गया। कुकिंग प्रतियोगिता में विभिन्न प्रकार के मिलेट्स को प्रतिदिन के आहार में किस तरह से उपयोग किया जा सकता है इसका प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए छात्राओं को अपने परिवार एवं समुदाय के लोगों को मिलेट्स के उपयोग के लिए जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। आपने कहा कि विभाग द्वारा किये गये प्रयास से महाविद्यालय परिवार एवं समाज को अवश्य ही लाभ होगा तथा विभाग को अपने ये प्रयत्न निरन्तर जारी रखने चाहिए। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत प्रतियोगिता का अवलोकन महाविद्यालय की छात्राओं, प्राध्यापकों एवं कार्यालयीन स्टॉफके साथ-साथ आस-पास के लोगों के द्वारा ने भी किया गया। सभी ने छात्राओं के प्रयास की सराहना की। पोस्टर प्रतियोगिता में प्रथम-उमेश्वरी चन्द्राकर, द्वितीय-किंजल थावरे, तृतीय- सोनिया एवं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रथम-नेहा सिन्हा, द्वितीय-मोनिका साहू, तृतीय-लक्ष्मी निषाद, कुकिंग प्रतियोगिता में प्रथम- किंजल थावरे, द्वितीय-नम्रता विश्वकर्मा और तृतीय स्थान पर युक्ति देशमुख रहे। इस कार्यक्रम के आयोजन में विभाग के सभी प्राध्यापकों डॉ. अलका दुग्गल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. तोशिना तेलंग, कु. तबस्सुम अली एवं कु. सबीना बेगम का विशेष योगदान रहा।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह आयोजित

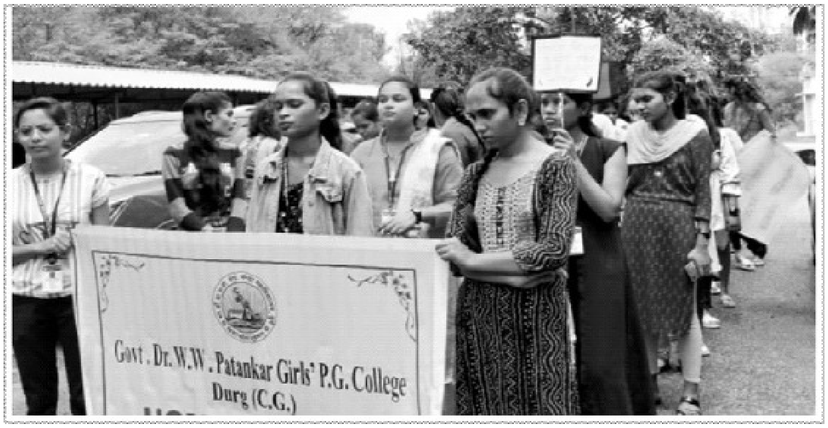

महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा पोषण सप्ताह का आयोजन किया गया। गृहविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. अमिता सहगल ने बताया कि इस अवसर पर 1 से 7 सितम्बर 2023 तक विभिन्न कार्यक्रम जैसे निबंध प्रतियोगिता, स्लोगन प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, पोषण क्विज, पोषण जागरूकता रैली एवं माइक्रोग्रीन्स प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि विभाग द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों एवं समाज के लिए अत्यंत उपयोगी है। यह कार्यक्रम लोगों को अपने पोषण के प्रति जागरूक करने एवं कुपोषण को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कार्यक्र म प्रभारी डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल ने बताया कि छात्राओं ने निबंध स्लोगन एवं पोस्टर के माध्यम से उचित पोषण के सम्पूर्ण स्वास्थ्य पर प्रभाव के बारे में जानकारी दी। न्यूट्रीषियन रैली के माध्यम से स्वास्थ्य आहरीय आदतों को अपनाने एवं मोटे अनाजों के प्रति जागरूकता लाने का प्रयास किया। इस अवसर पर प्रोसेस्ड फूड और हाई फैट युक्त भोज्य पदार्थों के सेवन को कम करने की शपथ भी ली गई।

छात्राओं को माइक्रोग्रीन्स ग्रो करने के लिए प्रेरित करने के उद्देष्य से माइक्रोग्रीन्स प्रदर्षनी लगाई गई, जिसमें छात्राओं को माइक्रोग्रीन्स से होने वाले लाभों की जानकारी भी दी गई।

न्यूट्रीशियन क्विज के अन्तर्गत पोषण से संबंधित प्रश्नोत्तरी का आयोजन गूगल फॉर्म के माध्यम से किया गया जिसमें 489 छात्राओं ने भाग लिया। निबंध प्रतियोगिता में 30 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें से महेक परवीन-प्रथम, आईनी धृतलहरे-द्वितीय एवं प्रेक्षा यादव तृतीय स्थान पर रहीं।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में 16 छात्राओं के भाग लिया जिसमें से शीलमण ठाकुर - प्रथम, मोहनी यादव - द्वितीय एवं पम्मी निषाद-तृतीय स्थान पर रही। स्लोगन प्रतियोगिता में 16 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें शाहीन मनिहार-प्रथम, राखी रजक-द्वितीय एवं मनीषा धृतलहरे - तृतीय स्थान पर रहीं। पोषण सप्ताह के आयोजन में डॉ. अलका दुग्गल, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. तोशिना तेलंग, कु. तबस्सुम अली एवं कु. सबीना बेगम का विशेष योगदान रहा।

खेल दिवस का आयोजन - खेल परंपराओं के सम्मान का दिन है

महाविद्यालय में क्रीड़ा विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजन किये गये। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ धाविका एवं उत्कृष्ट खिलाड़ी का सम्मान समारोह एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण आयोजित किया गया। महाविद्यालय की क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर निबंध एवं सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। ''खेल मैदान से दूर होते बच्चे'' विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में 45 छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें बी.एससी. द्वितीय वर्ष की कु. वेदकुमारी ने प्रथम तथा बी.ए. द्वितीय वर्ष की कु. लक्ष्मी देशमुख द्वितीय एवं बी.कॉम. द्वितीय वर्ष की चंचल यादव ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। खेल पर आधारित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में 30 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें बी.ए. द्वितीय वर्ष की कु. विद्या प्रथम स्थान पर रहीं तथा कु. करिश्मा हिडका एवं कु. कावेरी कुम्भकार ने क्रमषः द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ धाविका का पुरस्कार कु. प्रियंका साहू एवं बास्केटबाल में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने वाली कु. विद्या को स्मृति चिन्ह तथा नगद राषि से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुषील चन्द्र तिवारी ने कहा कि आज का दिन खेल परम्पराओं के सम्मान का दिन है। मेजर ध्यानचंद के प्रेरणादायक जीवन वृत्त से युवा पीढ़ी को सीख लेनी चाहिये। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने मेजर ध्यानचंद के जीवन से संबंधित प्रेरणादायक संस्मरणों की चर्चा करते हुए खेल दिवस के महत्व को रेखांकित किया।महाविद्यालय के प्राचार्य ने पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राओं के साथ ही महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. सुषमा यादव, डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. यशेश्वी ध्रुव, श्रीमती ज्योति भरणे, श्री जागृत ठाकुर, कु. मधु पाण्डेय एवं कु. मालती उपस्थित रहें। अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

महाविद्यालय में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ''न्याय सबके लिए'' के अंतर्गत कानूनी जानकारी छात्राओं को प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में श्रीमती शिवानी सिंग, व्यवहार न्यायाधीश, जिला न्यायालय दुर्ग, श्रीमती शीलू केसरी, व्यवहार न्यायाधीश, जिला न्यायालय दुर्ग वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

श्रीमती शिवानी सिंग ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि घटना सामान्य हो या गंभीर हो, शीघ्र ही अपने माता-पिता को इसकी जानकारी प्रदान करें। गंभीर घटना में यदि बयान देने की बात आती है तो हमें कभी भी भयभीत नहीं होना चाहिए। वर्तमान समय में सोषल मीडिया एवं बैंक फ्रॉड की घटनाएँ लगातार बढ़ रही है इसमें हमें सदैव सजग रहना चाहिए। श्रीमती शीलू केसरी ने कहा कि जीवन में जो भी समस्याएँ आती है उन समस्याओं का समाधान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण करता है। वाहन के इंश्योरेन्स की बात हो या छेड़खानी की हमें सदैव जागरूक होना चाहिए। यदि समस्या बढ़ती है तो निडर होकर एफआईआर दर्ज कराकर कानूनी सलाह लेना चाहिए। महाविद्यालय के प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सतर्कतता एवं सजगता से हम विभिन्न प्रकार की दुर्घटनाओं, अपराध से बच सकते है। सायबर अपराध से बचने के लिए हमें सतर्क रहना होगा। इस अवसर पर वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल उपस्थित थे।

कॅरियर काउंसिलिंग सत्र आयोजित

महाविद्यालय में केन्द्रीय ग्रन्थालय के तत्वावधान में छात्राओं को रोजगारोपयोगी जानकारी प्रदान करने कॅरियर काउंसिलिंग के सत्र आयोजित किये जा रहे हैं। ग्रन्थपाल डॉ. रीता शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि छात्राओं को अपने विषय से संबंधित रोजगार तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में नई जानकारियाँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ग्रन्थालय विभाग द्वारा प्रतिदिन काउंसिलिंग सत्र आयोजित किये जा रहे हैं। विगत दिनों बी.एससी. प्रथम वर्ष गणित एवं बायोलॉजी की छात्राओं को रोजगार के विभिन्न अवसरों के संबंध में सारगर्भित जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में पुस्तकालय का किस प्रकार उपयोग लाभप्रद होगा इस पर व्याख्यान आयोजित किया गया। जिसमें छात्राओं को ई-लाईब्रेरी का बेहतर उपयोग करने का प्रषिक्षण दिया गया। प्राचार्य ने ग्रन्थालय की इस पहल को सराहनीय बताते हुए रोजगार की विभिन्न सूचनाएँ विद्यार्थियों को समय-समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। महाविद्यालय के प्लेसमेन्ट सेल द्वारा भी व्यक्तित्व विकास एवं कैम्पस चयन के संबंध में विभिन्न आयोजन किये जाते हैं जिसका लाभ छात्राएँ उठाये इसका आह्वान किया।

मेरी माटी – मेरा देश

महाविद्यालय के नृत्य विभाग द्वारा ''आजादी का पर्व -मेरी माटी मेरा देश'' कार्यक्रम आयोजित किया गया। विभाग की छात्राओं ने इस अवसर देश भक्ति से परिपूर्ण नृत्यों का की रंगारंग प्रस्तुति की गई। माँ सरस्वती एवं नटराज के दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय में नृत्य, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला जैसे विषय अलग ही पहचान रखते हैं। ये स्वरोजगार परक विषय है। हर्ष की बात है कि महाविद्यालय मे छात्राओं का इस विषय को लेकर अत्यधिक रुझान भी दिखता है। कला संकाय के अधिष्ठाता डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने नृत्य के शारीरिक और मानसिक लाभ पर चर्चा करते हुये इसे व्यक्तित्व विकास में सहायक बताया।

विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि आजादी के पर्व के साथ ही आज प्रथम वर्ष की छात्राओं का स्वागत दीक्षारम्भ के रूप मे किया जा रहा है। प्रथम वर्ष की छात्राओं ने शिवस्तुति एवं तत्त अड़वु, नाट्ट अड़वु का प्रदर्शन किया। कु. ओमीशा ने छत्तीसगढ़ी तथा सौमिली ने बंगला नृत्य, कु. जान्हवी ने देश रंगीला तथा उर्मिला ने संस्कृत पदावली में एकल नृत्य की प्रस्तुति की जो कि सराहनीय रही। कु. हेमा एवं आकृति ने विभिन्न - छत्तीसगढ़ी लोककला की शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया। बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा कु. कामिनी, कशिश, हेमा एवं कल्पना ने छत्तीसगढ़ी गीतों के समूह की सुंदर प्रस्तुति दी। अंत में मौसमी, उर्वशी एवं निशा की त्रिवेणी ने देशभक्ति पूर्ण नृत्य श्रृंखला से सम्पूर्ण वातावरण को अल्हादित कर दिया।

इस अवसर छात्राओं सहित डॉ. तृप्ति खरे, श्री लावेन्द्र, ईशा देशमुख एवं विमल यादव उपस्थित रहे।

एंटी रैगिंग सप्ताह आयोजित

महाविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार एंटी रैगिंग सप्ताह के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम एवं प्रतियोगितायें आयोजित की गयी। महाविद्यालय सत्र प्रारंभ के अवसर आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने छात्राओं को रैगिंग के दुष्परिणाम एवं दण्ड प्रक्रिया संबंधी जानकारी दी। एंटी रैगिंग समिति के संयोजक डॉ. अनिल कुमार जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एंटी रैगिंग संबंधी चलचित्र का प्रदर्शन छात्राओं के लिए किए गया जिसमें बड़ी संख्या में छात्राओं ने सहभागिता की। एंटी रैगिंग के लिए निर्धारित शपथ छात्राओं को दिलाई गयी। इस अवसर पर पोस्टर बनाओं एवं स्लोगन लिखो प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें श्रेष्ठ 30 पोस्टर एवं 12 स्लोगन कला प्रदर्शनी में लगाए गए तथा पुरस्कृत किए गए। कार्यक्रम में सहभागिता रखने वाली छात्राओं एवं स्पर्धाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. ऋचा ठाकुर तथा समिति के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभायी।

एनएसएस के गोदग्राम में मतदाता जागरूकता रैलियों का आयोजन

महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वय द्वारा आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश कार्यक्रम के तहत ग्राम कोलिहापुरी में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रस्थान करने के पूर्व महाविद्यालय के प्राचार्य ने मेरी माटी मेरा देष कार्यक्रम के तहत छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि- हमें प्रत्येक कार्य देशसेवा की भावना से समर्पित होकर करना चाहिये।

जिसमें वसुधा का वंदन कार्यक्रम के अंतर्गत कोलिहापुरी के प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला में 75 पौधे लगाकर अमृत वाटिका का निर्माण किया गया। वीरों का वंदन कार्यक्रम के अंतर्गत कोलिहापुरी ग्राम के बार्डर सिक्यूरिटी फोर्स (BSF) के सेवानिवृत श्री निमेश भोयर जी, श्री धनेश कुमार निषाद इंडियन आर्मी फोर्स, पुलिस विभाग में कार्यरत श्री मोरध्वज देशमुख का शॉल-श्रीफल से सम्मान किया गया।

शिलाफलगम (शहीद स्मारक) कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारियों, स्वयं सेविकाओं, स्थानीय लोगों की उपस्थिति में सामूहिक रूप से हाथ में मिट्टी लेकर देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए पंचप्रण की प्रतिज्ञा ली गई। छात्राओं ने ग्राम कोलिहापुरी में मतदाता जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने ग्राम पीसेगांव में मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम जोड़ने एवं निष्पक्ष मतदान हेतु प्रेरित किया। वाणिज्य संकाय के प्राध्यापक एवं नोडल अधिकारी स्वीप डॉ. विजय कुमार वासनिक ने छात्राओं मतदाताओं को मतदान करने हेतु प्रेरित किया। रैली का संचालन कु. पूजा चेलक, कैम्पस एम्बेसेडर ने किया तथा आभार प्रदर्शन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया। इस अवसर पर श्रीमती किरणलता वर्मा, श्रीमती तामिन वर्मा-शिक्षिका, श्रीमती हेमलता साहू, कौशल्या देशमुख-आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती वंदना बंजारे, सहयोगी श्री विमल यादव, कु. अंशु धृतलहरे, नम्रता बंजारे, गीतांजलि, खुशबू साहू, पायल तिवारी का विशेष सहयोग रहा।

स्वाधीनता दिवस का गरिमामय आयोजन

महाविद्यालय में 77 वाँ स्वाधीनता दिवस उल्लहासपूर्ण वातावरण में मनाया गया। संस्था के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। रासेयो की छात्राओं ने तिरंगा रैली निकाली जो प्रमुख मार्गों से भ्रमण कर परिसर लौटी।

विडियो बनाओ प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त बी.ए. भाग-2 की कु. प्रेक्षा यादव को विश्वविद्यालय द्वारा पुरस्कृत किया गया। परिसर में पौधे लगाए गए तथा राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्राओं ने विभिन्न प्रस्तुतियाँ दी। इस अवसर पर यूथ रेडक्रॉस की छात्राओं ने भी हिस्सा लिया।

मेंहदी कार्यशाला

महाविद्यालय में कौरूल विकास केन्द्र के तत्वावधान में 15 दिवसीय मेंहदी आर्ट कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। नगर के सुप्रसिद्ध मेंहदी आर्ट के विशेषज्ञ श्री मनीष कुमार जैन के कुशल मार्गदर्शन में 300 छात्रायें इस कार्यशाला में मेंहदी आर्ट के गुर सीख रही है।

कार्यशाला की प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि महाविद्यालय के कौशल विकास केन्द्र के द्वारा लगातार कार्यशालाओं के माध्यम से छात्राओं को हुनरमंद बनाने प्रयास किए जा रहे है।

एक सप्ताह राखी मेकिंग कार्यशाला के बाद 15 दिवसीय मेंहदी आर्ट कार्यशाला प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी आयोजित की गयी है। बड़ी संख्या में छात्राओं की सहभागिता इस कार्यशाला की उपलब्धि है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कहा कि विभिन्न रोजगारोपयोगी पाठ्यक्रमों तथा कौषल विकास के माध्यम से छात्रायें विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखा रहीं है। आंचलिक त्यौहारों के परिप्रेक्ष्य में राखी और मेंहदी की कार्यशाला छात्राओं की रूचि व उपयोगिता को देखते हुए आयोजित की जा रही है। शीघ्र ही इको फ्रेंडली गणेश निर्माण कार्यशाला भी महाविद्यालय के मूर्तिकला विभाग द्वारा आयोजित की जा रही है। मेंहदी आर्ट कार्यशाला में मनीष जैन की टीम के साथ ही गृहविज्ञान विभाग के प्राध्यापक कु. तब्बसुम, कु. सबीना खान भी सक्रिय दे रही है।

कार्यशाला के अंत में प्रतियोगिता आयोजित कर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया जावेगा।

राखी मेकिंग कार्यशाला

महाविद्यालय में कौशल विकास परिषद के तत्वाधान में राखी मेकिंग सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कौशल विकास प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि भाई-बहन के निश्चल प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व के पूर्व छात्राओं को विभिन्न प्रकार की राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि छात्राओं को रोजगारोपयोगी कार्यशालाओं का अधिक से अधिक उठाना चाहिये जिससे स्वरोजगार हेतु उन्हें प्रेरणा मिल सके। राखी मेकिंग कार्यशाला में बहुत ही कम लागत पर विभिन्न प्रकार की रंग-बिरंगी राखी बनाने का प्रशिक्षण विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। छात्राओं द्वारा बनाई गई राखियों की पैकिंग एवं मार्केटिंग के भी गुर सिखाये गये। डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि स्टार्ट-अप एवं कौशल विकास के अंतर्गत रोजगारोपयोगी मार्गदर्शन विभिन्न विशेषज्ञों के द्वारा दिये जा रहे है। यह कार्यशाला पूर्णतः निःशुल्क है जिसमें छात्राओं को कच्चा माल खरीदने, निर्माण कार्य, पैकेजिंग एवं मार्केटिंग की सम्पूर्ण जानकारी दी गई।

इस कार्यशाला में 125 छात्राओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। विशेषज्ञ-वर्षा कुमारी, लाईबा नूर एवं प्रज्ञा वैष्णव ने सात दिन तक छात्राओं को प्रशिक्षित किया। कार्यशाला के समापन अवसर पर सर्वश्रेष्ठ राखी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें मिलेट राखी बनाने पर बी.एससी. अंतिम की छात्रा - कु. सुषमा विश्वकर्मा को पुरस्कृत किया गया। छात्राओं द्वारा निर्मित राखी की प्रदर्शनी सह-बिक्री की गई। इस कार्यशाला का संचालन श्रीमती वंदना बंजारे एवं कु. तबस्सुम ने किया।

विश्व योग दिवस

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व योग दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की पूर्व छात्रा योग प्रषिक्षक प्रज्ञा मिश्रा एवं रूचि शर्मा ने महाविद्यालय में उपस्थित समस्त प्राध्यापकों / कर्मचारियों एवं छात्राओं को दैनिक योगाभ्यास से संबंधी आसन बताये।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने विश्व योग दिवस के अवसर पर कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में सम्मिलित करें। आज अधिकांश लोग रक्तचाप एवं शुगर की बीमारियों से ग्रसित है। योगासन के माध्यम से इनसे बचा जा सकता है। उन्होनें कहा कि योग अभ्यास से जीवन में नकारात्मकता खत्म होती है एवं एकाग्रता में वृद्धि तथा तनाव कम होता है।

योग प्रशिक्षक प्रज्ञा ने प्रारंभ में गर्दन, हाथ, कमर के विभिन्न अभ्यास बताये। इसके साथ ही ताड़ासन, चंद्रासन, वृक्षासन, कोणासन, त्रिकोणासन, प्राणायाम आदि आसनों का अभ्यास एवं उनसे होने वाले लाभ को भी बताया।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष योग दिवस पर ''एक विश्व- एक स्वास्थ्य'' की थीम को लेकर कार्य हो रही है। कार्यक्रम का संचालन रासेयो कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव एवं आभार प्रदर्शन आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

महाविद्यालय में एक्वा क्लब के द्वारा विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एक्वा क्लब प्रभारी डॉ. सुनीता गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य मानव जाति के विकास के लिए प्रकृति का संरक्षण किया जाना आवश्यक है तथा स्वस्थ पर्यावरण स्वस्थ एवं स्थायी समाज की नींव है। इस वर्ष 2023 की थीम - ''प्रकृति का संरक्षण करें, जीवन का संरक्षण करें'' पर पोस्टर बनाओ, स्लोगन, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत भाषण प्रतियोगिता में बी.ए. भाग-1 की कु. तृप्ति साहू प्रथम एवं कु. सुचिता बारसागड़े द्वितीय स्थान पर रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में कु. सोमी सोनी - प्रथम, कु. आकांक्षा चन्द्राकर द्वितीय एवं कु. नीलम स्वर्णकार तृतीय स्थान पर रही। सांत्वना पुरस्कार- कु. हिमांशी निर्मलकर एवं कु. तृप्ति साहू को प्राप्त हुआ। स्लोगन प्रतियोगिता में कु. हिमांशी निर्मलकर-प्रथम, सत्यभामा-द्वितीय, नेहा ठाकुर-तृतीय, सांत्वना पुरस्कार- कु. आयुषी सोनी। निबंध प्रतियोगिता में कु. श्रुति आदित्य-एम.एससी.-तृतीय सेम. (प्राणीशास्त्र), द्वितीय - कु. किरण निर्मलकर- बी.एससी.-द्वितीय (बायो) एवं तृतीय-वर्षा देवांगन, एम.एससी.तृतीय सेम (रसायनशास्त्र), सुचिता बरसागड़े- एम.एसी. तृतीय सेमेस्टर (रसायनशास्त्र) रहीं। महाविद्यालय के प्राचार्य ने सभी प्रतिभागी छात्राओं को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन कु. सोमी सोनी एवं आभार प्रदर्शन कु. सुचिता द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. ऊषा चंदेल, डॉ. मीरा गुप्ता, डॉ. लता मेश्राम एवं डॉ. अनुजा चौहान सहित विज्ञान संकाय के अन्य सदस्य तथा छात्रायें बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं।

पुस्तकें या इंटरनेट पर युवाओं का रुझान

महाविद्यालय में गुरू संग गोठ के अन्तर्गत पुस्तकें या इंटरनेट पर युवाओं का रूझान विषय पर चर्चा महिला प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजन किया गया। संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि सोशल मीडिया का प्रयोग वर्तमान में तेजी बढ़ रहा है और युवा इससे प्रभावित है क्योंकि यह समाज के प्रत्येक पहलू को प्रभावित कर रहा है तो इनके सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव भी देखे जा रहे है।

युवा ये मानते है कि सोशल मीडिया आधुनिक युग का एक ऐसा साधन है जिससे सभी जानकारियाँ आसानी से उपलब्ध है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि बदलाव का समय है, तकनीकी परिवर्तन और सोशल मीडिया से जुड़ा वे वर्तमान आवश्यकता है परन्तु पुस्तकों का अपना महत्व है, बुक रीडिंग को अपने दिनचर्या में शामिल करना चाहिये। श्रीमती रीता शर्मा ने युवाओं से आव्हान किया की वे पुस्तकों के महत्व को समझे तथा पुस्तकों का सम्मान करें क्योंकि पुस्तकें हमारी पथ प्रदर्शक है, ये हमारे मित्र की भांति सही सूचना, मनोरंजन और सकारात्मक सोच का माध्यम है। डॉ. मंजूलता साव ने किताब पढ़ने के अनेकों फायदे बताये जैसे- एकाग्रता वृद्धि, बुद्धि विकास, तनाव की कमी, बोलने, लिखने की कला का विकास, कल्पनाशीलता में बढ़ोत्तरी, स्मरण शक्ति का विकास बताये। छात्रा कु. प्रेरणा शर्मा ने कहा कि किताबें हमे नई-अंर्तवृद्धि और दृष्टिकोण तक पहुँचने में सहयोग करती है। आरती यादव ने पुस्तक लेखन पर अपनी प्रतिक्रिया दी उनके अनुसार किताब लिखने की प्रक्रिया आपको अपने विचारों के भीतर की ओर मोड़ने के लिए प्रेरित करती है। मुस्कान परवीन ने समय - सारिणी में लाईब्रेरी पीरियड स्नातक स्तर पर भी शामिल करने का प्रस्ताव किया। श्रीमती ज्योति भरणे ने कहा कि सोशल नेटवर्किंग की लत से एक व्यक्ति का व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक जीवन प्रभावित हो सकता है। धन्यवाद ज्ञापन डॉ. लता मेश्राम ने किया।

कैम्पस इंटरव्यू

महाविद्यालय के प्लेसमेन्ट सेल के तत्वाधान में पात्रा कंपनी लिमिटेड द्वारा ''एक्जीक्यूटिव ट्रेनीज़'' के लिए कैम्पस चयन का आयोजन किया गया। विशेषतः छात्राओं के लिए इस कैम्पस इंटरव्यू में पात्रा कंपनी की ओर से मैनेजर विकास नाथ त्रिपाठी की टीम ने सारी प्रक्रियाएँ सफ्लतापूर्वक सम्पन्न कराई।

महाविद्यालय के प्राचार्य एवं डॉ0 डी0सी0 अग्रवाल ने छात्राओं को शुभकामनायें दी। प्लेसमेन्ट सेल की प्रभारी डॉ. सुषमा यादव ने बताया कि पात्रा कंपनी लिमिटेड की भारत एवं विदेशों में शाखाएँ है। प्रदेश में रायपुर तथा शीघ्र भिलाई में प्रस्तावित शाखा के लिए साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया जा रहा है। स्नातक उत्तीर्ण एवं स्नातकोत्तर की छात्रायें इसमें 300 छात्राओं ने अपना पंजीयन कराया एवं अगले चरण में कुल 98 छात्राओं ने साक्षात्कार दिया। पात्रा कंपनी के एच.आर. विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों की कम्प्यूटर दक्षता की भी परीक्षा ली। कैम्पस इन्टरव्यू में छात्राओं ने जबरदस्त उत्साह दिखाया। कंपनी द्वारा अंतिम रूप से चयनित प्रतिभागियों को सूचना शीघ्र दे दी जायेगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुषमा यादव एवं आभार प्रदर्शन डॉ. अनुजा चौहान ने किया।

टैगोर जयंती

महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग के तत्वावधान में गुरूदेव रवीन्द्र नाथ टैगोर जी के जन्म दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में रवीन्द्र नाथ टैगोर जयंती जी के तस्वीर में माल्यर्पण किया गया तत्पश्चात् बच्चों के द्वारा बनाए गए पोस्टरों का अवलोकन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने इस अवसर पर विद्यार्थियों के मेहनत की सराहना करते हुए उनको बधाई दी। उन्होनें टैगोर जी के बारे में बताते हुए कहा कि वे किस तरह गाँधी जी के साथ स्वतंत्रता संग्राम में सम्मिलित थे।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि रवीन्द्र नाथ टैगोर जी किस तरह से शांति निकेतन से जुड़े हुए थे और उनकी रचनाएँ किस भाव की हुआ करती थीं।

डॉ. ऋचा ठाकुर, डॉ. यास्मीन फातिमा परवेज एवं डॉ. मंजूलता साव ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

पोस्टर प्रतियोगिता में कु. रिया बारले (बी.ए.-तृतीय) ने प्रथम स्थान, कु. प्रिया चंद्राकर (एम.ए.-द्वितीय सेम.) एवं कु. खुशबू (एम.ए.-द्वितीय सेम.) ने तृतीय स्थान तथा निबन्ध प्रतियोगिता में कु. घनश्यामला साहू (एम.एससी. -चतुर्थ सेम.) ने प्रथम, कु. प्रेक्षा यादव (बी.ए.-प्रथम) ने द्वितीय एवं कु. यानिशा (एम.ए.-द्वितीय सेम.) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष श्रीमती वंदना ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विभाग के सहायक प्राध्यापक कु. मधु पाण्डेय, श्री रूपेश कुमार एवं वर्षा त्रिपाठी का विशेष सहयोग रहा।

विश्व रेडक्रॉस दिवस

महाविद्यालय में विश्व रेडक्रॉस दिवस का आयोजन किया गया। विश्व रेडक्रॉस दिवस का उद्देश्य विश्व स्तर पर रेड क्रॉस और रेड क्रीसेट मूवमेन्ट

द्वारा किए गए मानवीय कार्यों का सम्मान करना है ये संगठन के सिद्धांतों, मिशन और गतिविधियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, संकट के समय में मानवता, करूण और एकजुटता के महत्व की याद दिलाता है। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने यूथ रेडक्रॉस समिति के वर्ष भर यूथ रेडक्रॉस गतिविधियों की जानकारी दी। टीम रेडक्रॉस ना सिर्फ महाविद्यालय स्तर पर परन्तु आस-पास के क्षेत्रों में भी अनेक उपयोगी कार्य करता है, जिसमें सौ आंगनबाड़ियों में निरंतर, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य, आहार से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम का संचालन साथ ही वृद्धा आश्रम एवं विशेष बच्चों के विद्यालयों में भी उपयोगी कौशल शिक्षण कार्यक्रम भी शामिल है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय में रेडक्रॉस सेंटर संचालित है जहाँ स्थानीय चिकित्सक अपनी सेवायें प्रदान करते हैं साथ ही मानसिक स्वास्थ्य हेतु शासकीय काउन्सलर उपलब्ध है जो छात्राओं का मार्गदर्शन करती है।

यूथ रेडक्रॉस स्वयंसेवकों को रेड-टीशर्ट एवं कैप प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया जाता है। मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य सेवा वाहन द्वारा नियमित छात्राओं एवं स्टॉफ का स्वास्थ्य परीक्षण कर निःशुल्क दवायें प्रदान की जाती है। महाविद्यालय का यूथ रेडक्रॉस अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पुरूस्कृत हुआ है। इस अवसर पर रेडक्रॉस के इतिहास, महत्व एवं सिद्धांतों की जानकारी प्रदान करने के लिए चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

श्रमिक दिवस/ बोरे बासी दिवस

महाविद्यालय में समाजशास्त्र एवं गृहविज्ञान विभाग के द्वारा संयुक्त तत्वावधान में श्रमिक दिवस के अवसर पर बोरे बासी के महत्व पर कार्यक्रम एवं विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गई। कार्यक्रम संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि वर्तमान पीढ़ी को छत्तीसगढ़ी संस्कृति एवं परम्पराओं से परिचित कराने एवं उनके महत्व की जानकारी देने इस तरह के आयोजन किये जाते है। हमारे प्रदेश में श्रमिकों एवं मजदूरों में बोरे बासी खाने की पुरानी परम्परा है। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि यह विशेष दिन श्रमिकों को उनकी मेहनत और दृढ़ संकल्प को मनाने के लिए समर्पित किया गया है। इसको विशेष बनाने के लिए बोरे बासी दिवस को इसमें सम्मिलित किया गया है बोरे बासी खाने की प्राचीन परम्परा है जो कि सम्पूर्ण पौष्टिक भोजन है। डॉ. मोनिया राकेश सिंह ने कहा कि श्रमिकों के योगदान को पहचानने और उनके कार्य का सम्मान करने के लिए पूरे विश्व में श्रमिक दिवस मनाया जाता है। स्नातकोत्तर कक्षा की छात्रा कु. मनीष धृतलहरे ने बताया कि बोरे बासी को अधिक स्वादिष्ट बनाने चेंच भाजी, लहसुन मिर्च की चटनी और आम का आचार का प्रयोग होता है। कु. शीतल पारधी ने बोरे बासी एवं दही के पौष्टिक महत्व पर प्रकाश डाला। कु. भिनेश्वरी सोनवानी ने कहा कि बोरे बासी का गर्मियों में खाये जाने वाला पंसदीदा भोजन है। उन्होनें कहा कि गर्मियों के दिनों में प्यास बहुत लगती है परन्तु बासी शरीर को ठंडक पहुँचाता है, साथ ही इसमें आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम की भरपूर मात्रा है।

डॉ. ऐलिजाबेथ भगत, डॉ. सुषमा यादव, डॉ. ऋतु दुबे, डॉ. मीनाक्षी अग्रवाल, डॉ. मुक्ता बाखला, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, श्रीमती ज्योति भरणे, माज़दा खातुन, रश्मि नौरंगे, वर्षा त्रिपाठी, श्रीमती रीता शर्मा ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन कु. तबस्सुम ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय नृत्य दिवस –
पूर्व और वर्तमान छात्राओ का अनूठा सम्मिलन

महाविद्यालय के नृत्य दिवस पर ऑनलाईन कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि चूंकि महाविद्यालय में वार्षिक परीक्षायें जारी है, इसलिये इसे ऑन लाइन मोड में किया गया। नृत्य के माध्यम से सीधे ईश्वर से तादात्म्य स्थापित हो जाता है। महाविद्यालय की छात्राओं का व्यक्तित्व विकास नृत्य से और बेहतर होता है। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती पुष्पा मार्कण्डेय ने एक श्लोक के माध्यम से बताया कि नृत्य प्रस्तुति के लिये हाथ, दृष्टि, मन का समन्वय हो तो रस-भाव की उत्पत्ति होती है।

इस अवसर पर ओ.पी. जिंदल रायगढ़ के छात्र-छात्रा ने श्रीमती पुष्पा के निर्देशन में श्रीराम एवं नटराज शंकर पर भरतनाट्यम प्रस्तुति की। विशेष रूप से जिंदल स्कूल के अन्वी राय, आरोमल, भव्या, कानिहा, सात्विकी, अनुष्का प्रिया, मयूरी, मीनाक्षी ने नयनाभिराम नृत्य प्रदर्शित किया। नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि इस दिवस पर महाविद्यालय की पूर्व और वर्तमान छात्राओं ने सुंदर प्रस्तुतियाँ कीं। कु. मौसमी ने मंगल श्लोक एव कृष्ण वंदन किया। निशा गुप्ता, दीपिका साहू, ओमिशा, ने शिवस्तुति की। सौमिली में ओमिशा ने फ्यूजन किया वहीं महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्रा पुष्पा ने भावगीत, कीर्ति ने देवी स्तुति का प्रदर्शन किया। पूर्व छात्रा डॉ. शबीना बेगम ने नृत्य और प्राचीन इतिहास के समन्वय पर अपनी बात रख वहीं पूर्व

छात्रा भेनु ठाकुर, नेहा सोनी, नीलम परिहार, कीर्ति ने अपने अनुभवों को साझा किया। महाविद्यालय की अलुमिनी संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने पूर्व छात्राओं के सुंदर प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

वाटर ट्रीटमेन्ट टेक्नोलॉजी पर वैल्यू एडेड कोर्स

महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा डीबीटी स्टॉर कॉलेज स्कीम के तहत वाटर ट्रीटमेन्ट टेक्नोलॉजी पर पन्द्रह दिवसीय वैल्यू एडेड कोर्स का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के कोर्स छात्राओं के कौशल विकास के साथ-साथ बौद्धिक विकास में सहायक होते है। विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता गुप्ता ने बताया कि इस कोर्स के लिये छात्राओं में अत्यन्त उत्साह था। विज्ञान संकाय की कुल 265 छात्राओं ने इस हेतु पंजीयन कराया। कोर्स की प्रभारी डॉ. यास्मीन फातिमा परवेज ने बताया कि इस कोर्स को सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक दो हिस्सो में बांटा गया था। कोर्स के पाँच मॉड्यूल्स- 1. स्पेसिफिकेशन ऑफवॉटर 2. कैरेक्टरस्टिक्स ऑफवॉटर 3. बॉयलर ट्रबल्स, 4. एल्केलाईनिटी ऑफ वॉटर 5. ट्रीटमेन्ट टेक्नोलॉजी पर विभिन्न विशेषज्ञ - डॉ. संतोष सार, डॉ. सुनीता गुप्ता, डॉ. यास्मीन फातिमा परवेज, कु. मधु चन्द्राकर, कु. नेहा यादव ने व्याख्यान दिया एवं इस पर प्रायोगिक कार्य कराये गये। समापन समारोह में मुख्यअतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य ने प्रतिभागी छात्राओं प्रमाण पत्र वितरित किये।

विश्व पृथ्वी दिवस

महाविद्यालय के भूगोल तथा वनस्पति शास्त्र विभाग द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर दिनांक 22-04-2023 को संयुक्त रूप से पोस्टर तथा निबंध प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई।

पोस्टर प्रतियोगिता का शीर्षक Save our Earth तथा निबंध प्रतियोगिता का शीर्षक था-''पृथ्वी के इकोसिस्टम का संरक्षण''।

निबंध प्रतियोगिता में 30 छात्रायें तथा पोस्टर प्रतियोगिता में 28 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पृथ्वी को जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग जैसे दुष्प्रभावों से बचाने के प्रयासों को निबंध तथा पोस्टर के माध्यम से व्यक्त किया।

निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. मनिता कश्यप रहीं, नीतू कुमारी तथा कु. जिज्ञासा क्रमशः द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर रहीं। पोस्टर प्रतियोगिता में कुमारी नीलिमा सिरमौर तथा कुमारी कुनिका प्रथम स्थान पर, कु. उमा साहू द्वितीय तथा कुमारी कावेरी कुम्भकार तृतीय स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरस्कार हेतु भी छात्राएं चयनित हुई। निबंध प्रतियोगिता में - कु. नीलिमा सिरमौर, कु. मानसी नेताम, कु. मीनाक्षी तथा पोस्टर प्रतियोगिता में - कु. समृद्धि ठाकुर, कु. मान्या साहनी, कु. प्रियंका रहीं। प्रतियोगिताओं में डॉ. अल्का दुग्गल, डॉ. मुक्ता बाखला, डॉ. लता मेश्राम, डॉ. यशेश्वरी ध्रुव, श्रीमती ज्योति भरणे तथा कु. मधु पाण्डेय निर्णायक थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने छात्राओं द्वारा बनाए गए पोस्टर का अवलोकन कर उन्हें प्रोत्साहित किया तथा संबोधित किया कि पृथ्वी दिवस का आयोजन जीवन संपदा को बचाने व पर्यावरण कोसंरक्षित रखने के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने का उत्तम प्रयास किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ऊषा चंदेल, विभागाध्यक्ष वनस्पतिशास्त्र विभाग एवं आभार प्रदर्शन डॉ. सुषमा यादव, विभागाध्यक्ष, भूगोल ने किया।

नेट-सेट परीक्षा पर कार्यशाला आयोजित

महाविद्यालय में कॅरियर प्लेसमेन्ट सेल के तत्वावधान में नेट एवं सेट परीक्षाओं की तैयारी के संदर्भ में कार्यशाला का आयोजन किया गया। स्नातकोत्तर कक्षाओं की छात्राओं के लिये आयोजित कार्यशाला के प्रथम दिन कला संकाय के विद्यार्थियों को विषय-विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री गणेश राम नायक ने नेट परीक्षा की प्रारंभिक जानकारी विस्तार से देते हुये बताया कि हम इस परीक्षा के लिए अपने को कैसे तैयार करें। पाठ्यक्रम की चर्चा करते हुए उसके विभिन्न खण्डों से पूछे जाने वाले प्रश्नों तथा उत्तर के चयन पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला के प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए नेट और सेट परीक्षा में शामिल होने का अच्छा अवसर मिलता है। इसकी जानकारी के अभाव में अधिकांश होनहार विद्यार्थी शामिल नहीं होते है। उच्च शिक्षा में रोजगार के अवसर ज्यादा मिल रहे हैं अतएव सही ढंग से परीक्षा की तैयारी कर सफलता प्राप्त की जा सकती है। कार्यक्रम का संचालन आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया और आभार प्रदर्शन डॉ. सुनिता गुप्ता ने किया।

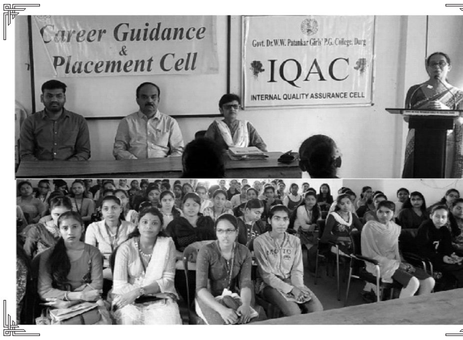

नगद रहित अर्थव्यवस्था पर पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित : अर्थशास्त्र विभाग का आयोजन

महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की निरंतर प्रगति को प्रदर्शित करती एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की छात्राओं ने ''वित्तीय साक्षरता'' एवं द्वितीय सेमेस्टर की छात्राओं ने ''नगद रहित अर्थव्यवस्था'' पर पोस्टर के माध्यम से अपने विचारों को व्यक्त किया। प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने पोस्टर गैलरी का अवलोकन कर छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था में वित्तीय साक्षरता आज की सामयिक जरूरत है। भारत में विश्व का सबसे ज्यादा डिजिटल लेन-देन हो रहा है आने वाले समय में देश की अर्थव्यवस्था पूर्णतः केशलेस हो सकती है जिसका लाभ देश की जनता को मिलेगा। विभागाध्यक्ष डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने बताया कि अर्थशास्त्र विभाग की छात्रायें समय-समय पर ऐसे ही सामयिक विषयों को लेकर चर्चा, परिचर्चा, पोस्टर प्रदर्शनी एवं पावर प्वाईन्ट प्रजेन्टेशन के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों का विश्लेषण करती है। भारत की 65 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है जिनमें वित्तीय साक्षरता लाना आसान नहीं है किन्तु सरकार की कृतसंकल्पता से आम भारतीयों को वित्तीय रूप से साक्षर कर वित्तीय घोटाले एवं साईबर ठगी से बचा जा सकता है। आज मजदूरी से लेकर मॉल तक भुगतान करने में क्यू.आर. कोड के प्रयोग को लेकर लोगों में जागरूकता और उत्सुकता बढ़ी है। ऑनलाईन एवं ऑफलाईन की खरीददारी मोबाईल के माध्यम से की जाने लगी है। प्रदर्शनी में 30 प्रतियोगी छात्राओं ने डॉ. मुक्ता बांखला एवं प्रोफेसर दीपक कश्यप के मार्गदर्शन में अपनी तैयारी पूर्ण की। द्वितीय सेमेस्टर से प्रथम स्थान-कु. आमिनी साहू, द्वितीय स्थान- कु. शिवानी वर्मा, तृतीय स्थान-कु. रिफ़त बानो ने प्राप्त किया इसी तरह चतुर्थ सेमेस्टर से प्रथम स्थान-कु. नीतू, द्वितीय स्थान-कु. टीटदीप मरकॉम एवं तृतीय स्थान कु. वंदना सार्वा ने प्राप्त किया।

रंगफुहार

महाविद्यालय के नृत्य एवं संगीत विभाग द्वारा होली के अवसर पर रंग-फुहार कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्राओं में उसे लेकर बड़ा उत्साह रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने कहा कि होली जनमानस का त्योहार है। सभी धर्म के लोग इसे शौक से मनाते हैं।

संगीत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मिलिंद अमृतफले ने रागदेस एवं रागकाफी में सुंदर गायकी प्रस्तुत की। बी.ए. अंतिम की छात्रा ललिता साहू ने - जहाँ जहाँ राधे वहाँ जाएंगे मुरारी पर सुंदर होली नृत्य प्रस्तुत किया।

वाणिज्य विभाग डॉ. विजय कुमार वासनिक एवं डॉ. मंजूलता साव ने सुंदर गायकी से समां बांध दिया। इस कार्यक्रम में बहु-संख्या में उपस्थित छात्राओं, आध्यापकों एवं कर्मचारियों ने सूखे रंग एवं गुलाल से पूरे परिसर को रंगीन कर दिया। छात्राओं ने होली फाग गीत एवं नृत्यों से रंग-फुहार नाम को सार्थक कर दिया। कार्यक्रम का संचालन नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा ठाकुर ने किया।

महिला दिवस का आयोजन

महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रभारी प्राध्यापक डॉ. रेशमा लाकेश ने जानकारी देते हुये बताया कि पुरूषों और महिलाओं के बीच समानता, कार्य करने का अधिकार, भेदभाव का निषेध सर्वोपरी है। महिला प्रकोष्ठ वर्ष भर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम के तहत आयोजन करता है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि महिला प्रकोष्ठ के द्वारा समय-समय पर जागरूकता संबंधी जानकारी उपलब्ध करायी जाती है तथा सुरक्षा प्रशिक्षण, न्यायायिक अधिकार संबंधी जानकारी विषय-विशेषज्ञों द्वारा दी जाती है। डॉ. सुषमा यादव ने बताया कि इस तरह के आयोजन महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान को बनाये रखने की दिशा में सार्थक है। डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डाला। डॉ. सुनीता गुप्ता एवं डॉ. मुक्ता बांखला ने गीत प्रस्तुत किये। गुलाबी थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम को गीत-संगीत एवं खेलों के माध्यम से मनोरंजक बनाया गया जिसे सभी ने सराहा। डॉ. ऋतु दुबे ने स्वरचित कविता सुनाई। कार्यक्रम का संचालन कु. तबस्सुम और आभार प्रदर्शन श्रीमती ज्योति भरणे ने किया।

मिक्स्ड मार्शल आर्टस प्रशिक्षण कार्यशाला

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा शारीरिक दक्षता एवं आत्मरक्षा हेतु मिक्सड मार्शल आर्टस का सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि इस कार्यशाला में आत्मरक्षा के नियमों की बहुत बारीकी से जानकारी प्रदान की गई है और यह निश्चित रूप से सबके लिये लाभदायी है। साथ ही भविष्य में भी यह आत्मरक्षा की तकनीक उपयोगी साबित होगी। मिक्स्ड मार्शल आर्टस की प्रशिक्षक अन्तर्राष्ट्रीय कांस्य पदक विजेता कु. श्वेता ध्रुव एवं बॉक्सिंग कोच श्री डी. विजय तथा राष्ट्रीय मिक्सड मार्शल आर्टस प्रशिक्षक योगेन्द्र कुमार ध्रुव कु. रेणु ठाकुर ने दिया। कु. श्वेता ध्रुव ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मिक्सड मार्शल आर्टस दुनिया में प्रचलित मार्हिनस आर्ट्स की सर्वश्रेष्ठ रक्षात्मक और आक्रामक शैलियों का मिश्रण है। श्री योगेन्द्र कुमार ध्रुव ने बताया कि मिक्सड मार्शल आर्टस शरीर को तेजी से प्रतिक्रिया में लाने के लिए मानसिक सर्तकता जागरूकता और न्यूनतम शक्ति के बिना नुकसान के किसी भी स्थिति से बाहर निकलने या नियंत्रण पाने के लिए दिया गया प्रशिक्षण है। कु. रेणु ठाकुर ने महिला सशक्तिकरण से संबंधित जानकारी देते हुए पार्टी अटैक, घरेलू हिंसा, सफल यात्रा, भीड़ एवं सार्वजनिक स्थलों में होने वाली आक्रमण तथा आक्रामक घटनाओं से बचने की जानकारियाँ प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने किया एवं डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने आभार प्रदर्शन किया। इस अवसर पर डॉ. मोनिया राकेश, डॉ. रेशमा लाकेश, डॉ. ऋतु दुबे का विशेष योगदान रहा।

प्राणीशास्त्र में सेमीनार आयोजित

महाविद्यालय में स्नातकोत्तर प्राणीशास्त्र विभाग के द्वारा दो दिवसीय विशेष व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। विभाग द्वारा प्रतिवर्ष विषय-विशेषज्ञों के व्यख्यान की श्रृंखला आयोजित की जाती है जो स्नातकोत्तर कक्षाओं के पाठ्यक्रम पर आधारित होती है। विभागाध्यक्ष डॉ. लता मेश्राम ने जानकारी देते हुए बताया कि शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर विज्ञान महाविद्यालय दुर्ग की डॉ. अलका मिश्रा ने ''कार्बोहाइड्रेट मेटाबॉलिज्म'' विषय पर व्याख्यान देते हुये बताया कि जीवित जीवों में चयापचय के गठन और टूटने की प्रक्रिया सामान्य होती है। उन्होनें कार्बोहाइड्रेट के जैविक रसायनिक प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विषय-विशेषज्ञ डॉ. संजू सिन्हा ने भी विभिन्न रोगों के फैलाव से बचाव के उपाय पर जानकारी दी।

महविद्यालय के प्राचार्य ने छात्राओं को विशेष व्याख्यान के महत्व से लाभ उठाने का आव्हान किया। व्याख्यानमाला का संचालन कु. प्रीति सिन्हा ने किया तथा आभार प्रदर्शन नम्रता चन्द्राकर ने किया।

''सशक्ति'' कौशल विकास कार्यशाला आयोजित

महाविद्यालय में लर्निंग लिंक फाउंडेशन एवं मास्टर कार्ड के सौजन्य से छः दिवसीय कौशल विकास कार्यशाला ''सशक्ति'' का आयोजन किया गया। जिसके अंर्तगत डिजिटल लर्निंग, फाइनेंशियल लर्निंग एवं इंटरप्रेनर्शिप की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला की संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि अपना व्यवसाय शुरू करने के समस्त गुर सिखाए गए, जैसे बिजनेस प्लानिंग, डिजाइनिंग, मार्केटिंग, प्रोडेक्ट, मैन्यूफैक्चरिंग, एडवर्टिजमेंट ,सोशल मीडिया का उपयोग, लागत, खपत, लाभ, हानि,आर्थिक सहायता आदि की बारीकियां सिखायी गई।

विषय विशेषज्ञों के भाषण एवं पावर प्वाईन्ट प्रजेंटेशन तथा रोचक गतिविधियों ने इस कार्यशाला को आकर्षक बनाया। 200 स्नातकोत्तर छात्राओं ने यह प्रशिक्षण प्राप्त किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चंद्र तिवारी ने बताया कि वर्तमान समय में डिग्री के साथ कौशल विकास की अत्यन्त आवश्यकता है जिसके लिये महाविद्यालय द्वारा इस तरह की कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। जिससे छात्राओं में विभिन्न क्षेत्रों में नया सीखने का अवसर मिल सके।

लर्निंग लिंक फाउंडेशन की स्टेट मैनेजर सुश्री शबाना कालिम रिजवी ने बताया कि उनकी संस्था सम्पूर्ण भारत में टेक्नालॉजी, इनोवेशन, रिसर्च, स्किल एवं एंट्रीप्रेन्शिप पर विशेष कर महिलाओं के लिये कार्यरत है, इनका मानना है की महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता आवश्यक है । मुख्य आथिति पदमश्री श्रीमती शमशाद बेगम अपनी संघर्षपूर्ण जीवन गाथा एवं गीतों से छात्राओं को प्रेरणा दी। सुश्री लुबना नूर ने प्रशिक्षण से प्राप्त जानकारियों को बहुत लाभकारी बताया इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त छात्राओं को प्रमाणपत्र प्रदान किए गये ।

शासकीय कन्या महाविद्यालय में आम बजट पर चर्चा

अर्थशास्त्र विभाग का आयोजन महाविद्यालय के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग में केन्द्रीय आम बजट -2023 पर विशेषज्ञों के साथ सार्थक चर्चा सम्पन्न हुई। मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्र के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री प्रोफेसर लखन चौधरी, प्राध्यापक कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई एवं डॉ. सीमा अग्रवाल, प्राध्यापक, शासकीय महाविद्यालय उतई ने अर्थशास्त्र विभाग की छात्राओं को बजट-2023 की बारिकियों से अवगत कराया।

महाविद्यालय के प्राचार्य ने इस अवसर पर छात्राओं को संबोधित करते हुये कहा कि अर्थशास्त्र की छात्राओं के लिये देश एवं प्रदेश के बजट का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है। देश का बजट केवल देश की आर्थिक नीति एवं दिशा ही तय नहीं करता बल्कि हमारे सामान्य जीवन की आर्थिक गतिविधियों को भी प्रभावित करता है।

प्रोफेसर लखन चौधरी ने विस्तृत रूप से बजट-2023 के प्रावधानों पर आंकड़ों सहित अपनी समालोचना प्रस्तुत की। उन्होनें स्पष्ट करने का प्रयास किया कि यह बजट लोक-लुभावना या चुनावी बजट नहीं है। उन्होनें बजट में मनरेगा के क्षेत्र में की गई कटौती को उचित नहीं माना लेकिन अधोसंरचना के विकास में बजट में किये गये प्रावधानों की प्रशंसा की। उन्होनें छात्राओं से भी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों पर चर्चा की और स्पष्ट करने का प्रयास किया कि बजट में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों से सरकार को कितनी आय प्राप्त हो रही है। वेतनभोगी वर्ग को प्रभावित करने में इस वर्ष आयकर के परिवर्तित प्रावधानों का भी उन्होनें विश्लेषण किया। डॉ. चौधरी ने ग्राफ के माध्यम से समझाया कि बजट की आय में 100 पैसों में से किस-किस मद से कितने-कितने पैसे आते हैं एवं 100 पैसों में किस-किस मद पर कितने-कितने पैसे खर्च होते हैं।

डॉ. सीमा अग्रवाल ने बजट के उन प्रमुख सात प्रावधानों की चर्चा की जिसे सप्तऋषि नाम दिया गया है। उन्होनें हरित विकास एवं पर्यावरण पर भी अपने विचार रखें। समावेशी विकास को स्पष्ट करते हुए उन्होनें कहा कि पर्यावरण को क्षति पहुँचायें बिना अब देश विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होनें दुर्ग नगर निगम का ज्वलन्त उदाहरण देते हुये बताया कि किस तरह गौरवपथ के दोनों ओर के बड़े-बड़े पेड़ों को उसी रूप में अन्य स्थानों पर शिफ्ट कर गौरवपथ का चौड़ीकरण किया जा रहा है। डॉ. मुक्ता बाखला एवं प्रोफेसर दीपक कश्यप ने भी बजट चर्चा में भाग लिया ।

ज्योति देशमुख का गणतंत्र दिवस परेड में शानदार प्रदर्शन

महाविद्यालय की बी.ए. की छात्रा कु. ज्योति देशमुख ने गणतंत्र दिवस परेड में दिगी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जिसके लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र दिया गया।

उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय की कई छात्रायें छ.ग. घुड़सवार रेजिमेंट अंजोरा, जिला-दुर्ग में कैडेट्स है। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में एक माह के शिविर में उक्त छात्रा शामिल हुई। कड़ी स्पर्धा के बीच सारजेंट ज्योति देशमुख का चयन हुआ। इस रेजिमेन्ट से 06 कैडेट्स चयनित हुए। इनके श्रेष्ठ प्रदर्शन पर इन्हें दिल्ली में मेडल और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य ने ज्योति देशमुख को बधाई देते हुए इसे नये नये कैडेट्स के लिए प्रेरणास्पद बताया तथा छ.ग. घुड़सवार रेजिमेन्ट को महाविद्यालय की छात्राओं को सहयोग करने के लिए अभार व्यक्त किया है।

स्नातकोत्तर गणित विभाग द्वारा विभागीय सेमीनार

महाविद्यालय में स्नातकोत्तर गणित विभाग के M.Sc.IInd Sem ,एवं M.Sc.IVth Sem. की छात्राओं द्वारा विभागीय सेमीनार का आयोजन किया गया। M.Sc.IInd Sem का दिनांक 24.04.2023 से 26.04.2023 तथा M.Sc.IVth Sem का दिनांक 21.04.2023 से 24.04.2023 तक आयोजित था। विभागीय सेमिनार का मुख्य उद्देश्य छात्राओं में रूचि और आत्मविश्वास जागृत करना है तथा प्रतिवर्ष के भांति इस वर्ष भी किसी एक इकाई से 4 या 5 छात्राएँ, एक टॉपिक का चयन करती हैं, इसके बाद संबंधित प्राध्यापक से Doubts Clear कर, PPT द्वारा व्याख्यान देते है।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ अनुजा चौहान, श्री शंकर बैद्य, सुश्री पूजा यादव, सुश्री प्राक्षी नायक के अलावा M.Sc.IInd Sem ,एवं M.Sc.IVth Sem. की सभी छात्राएँ उपस्थित थी।

एलुमिनी सम्मेलन आयोजित

महाविद्यालय में भूतपूर्व छात्रा समिति एवं एलुमिनी समिति के संयुक्त तत्वावधान में वार्षिक भूतपूर्व छात्रा मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ स्वागत एवं पुष्पवर्षा से हुआ तत्पश्चात् ''मिलन'' में एक-दूसरे से परिचय का आदान-प्रदान हुआ। संयोजक डॉ. रेशमा लाकेश ने विगत वर्ष की गतिविधि रिपोर्ट में बताया की ''एलुमिनी सपोर्ट सीरिज'' के अंतर्गत सभी विभागों की भूतपूर्व छात्राओं ने विषय-विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया। इंटरप्रेनर के रूप में स्थापित भूतपूर्व छात्रायें, वर्तमान छात्राओं को कौशल विकास प्रदान कर रही है। ''छोटी बहन छात्रवृत्ति'' हमारी एक महत्वकांक्षी योजना है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्राओं को मदद की जाती है। इसे आगे भी जारी रखा जायेगा।

अधोसंरचना विकास के अन्तर्गत भूतपूर्व छात्रा समिति की मांग पर डोमशेड एवं खेल मैदान विकास हेतु दुर्ग विधायक श्री अरूण वोरा द्वारा बीस लाख रूपये की राशि प्रदान करने की घोषणा की है।

भूतपूर्व छात्रा एवं जनभागीदारी अध्यक्ष श्रीमती प्रीति मिश्रा द्वारा निरंतर छात्राहित एवं महाविद्यालय के विकास के लिये निरंतर प्रयासरत् है, जिसमें कौशल विकास कार्यशाला, खेल एवं कला के क्षेत्र में विशेष पुरुस्कार, प्राध्यापकों का सम्मान सराहनीय है। महाविद्यालय के प्राचार्य ने हर्ष व्यक्त किया की भूतपूर्व छात्रायें अनेक प्रतिष्ठित पदों पर कार्यरत् है एवं समाज में अपने उत्कृष्ट सेवाओं से महाविद्यालय को गौरावान्वित कर रही है।

महाविद्यालय के प्रति उनका लगाव उनकी बड़ी संख्या में उपस्थिति प्रदर्शित कर रही है। इस अवसर पर छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम किये गये। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर तब्बसुम एवं धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती ज्योति भरणे ने किया।

वेल्थ मैनेंजमेंट एवं टैक्स प्लानिंग पर सेमीनार

महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग के तत्वावधान में फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम वेल्थ मैनेंजमेंट एण्ड टैक्स प्लानिंग आयोजित किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के वेबीनार में 60 प्राध्यापकों ने भागीदारी की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वी.एफएस.आई. के राष्ट्रीय प्रशिक्षक श्री रघुनंदन पटनायक थे। श्री पटनायक ने अपने उद्बोधन में वेल्थ एवं टैक्स प्लानिंग के संबंध में महत्वपूर्ण एवं सारगर्भित जानकारियाँ पावर प्वाईन्ट के माध्यम से दी। प्रारंभ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने उक्त प्रोग्राम की उपयोगिता एवं विद्यार्थियों को भविष्य में बचत और विनियोग में कैसे सामंजस्य बनाना है पर अपने विचार दिये। इसी तरह वाणिज्य विभाग के द्वारा बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर सुराना महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. डी.आर. भवनानी का व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. भवनानी ने बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विभिन्न नियमों की जानकारी विद्यार्थियों को दी। उन्होनें सम्पत्ति एवं सम्पदा में अन्तर को रोचक ढंग से परिभाषित किया। कार्यक्रम का संचालन वाणिज्य विभाग के विभागाध्य डॉ. अनिल जैन ने किया। आभार प्रदर्शन डॉ. के. एल. राठी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों के साथ-साथ लगभग 70 छात्राओं ने सहभागिता दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. मंजूलता साव, कु. नूतन देशमुख एवं कु. डिम्पल साहू ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अद्वितीय प्रतिभा के धनी - निराला जी

महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा बसंत पंचमी व सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जयंती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि निरालाजी की कविताओं में विविधता है, उनकी कविता का प्रत्येक शब्द गहन अर्थ लिए हुए है, उनकी मुख्य कविताओं की चर्चा करते हुए कहा की स्वंत्रता आंदोलन में भी निराला की कलम का योगदान रहा है। उनके व्यक्तिव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मस्तमौला कवि थे उनकी कविताओं में पठन-पाठन व लेखन के क्षेत्र में रूचि लेने के लिए प्रेरित किया।

महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. डी.सी. अग्रवाल ने कहा कि निराला की कविताओं का अध्ययन किया और पाया कि वास्तव में निराला जी अद्वितीय प्रतिभा के धनी है। निराला की कविताओं को विदेशों में भी अनुदित किया गया है, स्वतंत्रता आन्दोलन में वैज्ञानिक क्रांति लाने में उनकी कविताओं का बहुत योगदान रहा है। इनकी कवितायें ओज से परिपूर्ण है। श्रीमती ज्योति भरणे, सहायक प्राध्यापक हिन्दी ने कहा कि निराला विद्रोव व परिवर्तन के कवि है वे दी-दुखियों को सताने वालों पर तीव्र प्रहार किया। शोषक एवं पूंजीपतियों को उन्होनें खूब खरी-खोंटी सुनाई। निराला की साहित्यिक रचनाओं- वर दे वीणा वादिनी वरदे, वह तोड़ती पत्थर, भारती जय विजय करें, कुकुरमुत्ता, राम की शक्ति पूजा, सरोज स्मृति, हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र, जागो एक बार आदि महाविद्यालय की छात्रायें किरण सोनबेर, खुशबू हरमुख, कुसुम ध्रुव, प्रेरणा, निधि यादव, भूमिका ने सस्वर काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती आरती सिंह राठौर व आभार प्रदर्शन डॉत्र यशेवश्री ध्रुव, विभागाध्यक्ष हिन्दी ने किया।

अन्तरमहाविद्यालयीन हैण्डबाल प्रतियोगिता में कॉलेज उपविजेता

महाविद्यालय दुर्ग अन्तरमहाविद्यालयीन हैण्डबाल प्रतियोगिता में उपविजेता रहा। मनसा महाविद्यालय कोहका द्वारा आयोजित हेमचंद यादव अन्तरमहाविद्यालयीन बैण्डबाल प्रतियोगिता में उपविजेता रहा। महाविद्यालय ने अपने सेमीफाईनल मैच में शासकीय महाविद्यालय पाटन को 34-4 से परास्त किया और फ़ाईनल में जगह बनाई। फाइनल मैच में शासकीय कन्या महाविद्यालय दुर्ग को सुराना महाविद्यालय दुर्ग ने एक मात्र एक गोल से परास्त किया। कन्या महाविद्यालय दुर्ग की ओर से पुनिधी मिश्रा, दुर्गा स्वामी, प्रिया तिवारी, रागिनी झा, अदिति शाह, ए.अर्चना ने अच्छे खेल का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय की टीम इस प्रकार थी - प्रिया तिवारी (कप्तान), दुर्गा स्वामी, सुनिधि मिश्रा, अदिति शाह, रागिनी झा, ए अर्चना, एम नागमणी (गोलकीपर), निशा नेताम (गोलकीपर) रिया वर्मा, दामिनी साहू, अमिशा गिरी, खुश्बू, प्रीति आदि। टीम मैनेजर डॉ. ऋतु दुबे, क्रीड़ाधिकारी थी।

महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. तिवारी, क्रीड़ा समिति के संयोजक डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े, श्री जागृत ठाकुर, श्री विजय चन्द्राकर एवं महाविद्यालय परिवार ने खिलाड़ियों को शुभकामनायें दी। राज्य स्पर्धा हेतु महाविद्यालय की पाँच खिलाड़ियों का चयन हुआ है, दुर्गा स्वामी, सुनिधी मिश्रा, प्रिया तिवारी, ए. अर्चना, अदिति शाह, ये 11 जनवरी 2023 को पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आयोजित राज्य स्पर्धा में भाग लेगी।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर संगोष्ठी

महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। समाज में दिव्यांगजनों को समान्य एवं बराबरी का दर्जा प्रदान करने के लिये प्रत्येक वर्ष 03 दिसम्बर को अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस मनाया जाता है। दिव्यांगजनों के अक्षमता के मुद्दे पर नागरिकों का ध्यान खींचने एवं इनके द्वारा प्रतिदिन के जीवन में सहन की जा रही कठिनाईयों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिये यह दिवस महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्राचार्य डॉ. तिवारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य दिव्यांगों के प्रति लोगों के व्यवहार में बदलाव लाना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता लाना है। उन्होनें बताया कि इन विशेष जनों के लिए महाविद्यालय में विशेष सुविधाएँ उपलब्ध है साथ ही महाविद्यालय परिवार के इन विशेष जनों ने अपने कार्यों से विशिष्ट पहचान बनाई है। वर्तमान में यहाँ से उत्तीर्ण दिव्यांग छात्रायें समाज में अपनी सेवायें दे रही हैं और महाविद्यालय को गौरवान्वित कर रही है। यूथ रेडक्रॉस प्रभारी डॉ. रेशमा लाकेश ने बताया कि इस वर्ष की थीम ''समावेशी विकास हेतु परिवर्तनकारी समाधान'' है जिसके माध्यम से अन्वेषण के उपयोग द्वारा दिव्यांगजनों के जीवन को बेहतर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। हइस तारतम्य में महाविद्यालय की छात्रा कु. मानसी चंदेल (बी.ए.-द्वितीय वर्ष) एवं महाविद्यालय में कार्यरत श्री ललित कुमार देवांगन एवं श्री कमलेश साहू को उनकी उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मान पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुजा चौहान एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. लता मेश्राम ने किया।

नृत्य विभाग द्वारा वैल्यु एडेड कोर्स नृत्यांजलि का आयोजन

महाविद्यालय के नृत्य विभाग द्वारा पन्द्रह दिवसीय नृत्यांजलि वैल्यु एडेड कोर्स आयोजित किया गया। जिसका उद्घाटन प्रसिद्ध - कलाकार डॉ. जी. रथीश बाबू (डायरेक्टर-ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसियेशन नृत्यति कला क्षेत्रम्) द्वारा किया गया। उन्होनें प्रतिभागी छात्राओं को संबोधित करते हुये कहा कि नृत्य शारीरिक और मानसिक दोनों तनाव से मुक्त करता है। नृत्य सीखने की लालसा मन से उत्पन होती है। उन्होने नृत्य के महत्व को बताया साथ ही गुरु की महिमा को भी बताया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर नृत्य विषय के रूप में पढ़ाया जाता है उसे देखकर अन्य संकायों की छात्रायें भी इसके प्रति आकर्षित होती हैं, उन्हीं के लिये यह विशेष कोर्स रखा गया, जिससे कि भरतनाट्यम की आधारभूत जानकारी उन्हें मिल सके। नृत्यांजलि की संयोजक डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि 80 छात्राओं ने इसमें पंजीयन कराया। इस कोर्स में प्रायोगिक रूप से उन्हें भूमिप्रणाम, शिवस्तुति, शिरोभेद, दृष्टिभेद, ग्रीवाभेद तथा हस्त मुद्रा के श्लोकों के साथ-साथ प्रमुख अड़वु सिखाये गये। अलग-अलग संकाय की छात्राओं अपने इस अनुभव को साझा किया। विज्ञान संकाय की पूजा, कला संकाय की तनु कटारिया, गृहविज्ञान की ऋतु बेलेन्द्रे एवं वाणिज्य की आयुषी देशमुख ने कहा कि शास्त्रीय नृत्य सीखने से मानसिक-शारीरिक शांति मिलती है। हम अपनी परंपरा से भी जुड़ते है। साथ ही इससे व्यक्तित्व विकास में सहयोग मिला है।

गर्ल्स कॉलेज की खेलों इंडिया में प्रतिनिधित्व

महाविद्यालय के बॉस्केटबॉल खिलाड़ी कु. विद्या एवं रितिका निषाद ने छत्तीसगढ़ टीम का खेलों इंडिया में प्रतिनिधित्व किया। यह प्रतियोगिता इन्दौर में दिनांक 31 जनवरी से 04 फरवरी तक आयोजित थी। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की टीम उपविजेता रही। वहीं 72वीं जूनियर नेशनल बॉस्केटबॉल प्रतियोगिता बैंगलुरू में दिनांक 21 जनवरी 27 जनवरी तक आयोजित थी इसमें भी कु. विद्या वर्मा एवं कु. रितिका निषाद ने प्रतिनिधित्व किया और छत्तीसगढ़ टीम ने उपविजेता होने का गौरव हासिल किया। गर्व की बात है कि कु. विद्या वर्मा को इस टीम का कप्तान बनाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, क्रीड़ा समिति की संयोजिका डॉ. एस. खोब्रागड़े, श्री जागृत ठाकुर तथा क्रीड़ाधिकारी डॉ. ऋतु दुबे एवं महाविद्यालय परिवार ने बधाई दी।

मेरी माटी मेरा देश अभियान के अन्तर्गत अमृत कलश यात्रा का आयोजन

महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा 'मेरी माटी, मेरा देश'। अभियान के अन्तर्गत अमृत कलश यात्रा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी द्वारा शीला फलकम् कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को पंचप्रण की प्रतिज्ञा दिलाई गई। छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होनें कहा कि देश के बहादुर वीरों ने तथा स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों ने देश की रक्षा के लिये अपने प्राणों की आहूति देदी। हमसबका दायित्व है कि वीरों का सम्मान करते हुए देश सेवा के लिये संगठित एवं समर्पित होकर कार्य करें। राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. यशेश्वरी ध्रुव ने बताया कि छात्राओं द्वारा अपने घरों से एक मुट्ठी चावल और एक मुट्ठी मिट्टी एकत्रित किया और हाथ में मिट्टी लेकर देश के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए अमृत कलश का निर्माण किया। अमृत कलश की यात्रा महाविद्यालय परिसर में सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-दो की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती वंदना बंजारे तथा सलाहकार समिति की सदस्य डॉ. अनुजा चौहन कलश यात्रा में उपस्थित थी। राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेवक कु. पूजा चेलक, कु. नम्रता बंजारे, कु. लक्ष्मी, कु. खशबू ने सक्रिय भागीदारी की।

"कम्प्यूटर सुरक्षा" पर आयोजन

महाविद्यालय में कम्प्यूटर साईंस विभाग के तत्वाधान में नेशनल 'कम्प्यूटर सिक्युरीटी डे' के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभागाध्यक्ष डॉ. गणेश राम नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि बढ़ते सायबर क्राइम से बचने का मुख्य समाधान जागरूकता ही है। नेशनल कम्प्यूटर सुरक्षा दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए ऑनलाईन क्वीज, पी.पी.टी. प्रेजेन्टेशन तथा समूह चर्चा का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते चलन तथा कैशलेश व्यवस्था में जागरूकता तथा जानकारी के आभाव में हम विभिन्न प्रकार की ठगी के षिकार हो जाते है। मोबाईल में भी हमें अपडेट रहना चाहिए तथा सतर्कता जरूरी है।

छात्राओं ने पावर प्वाईन्ट प्रेजेन्टेशन के माध्यम से नेटवर्किंग, सायबर क्राइम, ऑनलाईन मार्केटिंग, फेसबुक में सतर्कता, कम्प्यूटर सुरक्षा जैसे विषयों पर सारगर्भित प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान बी.कॉम. प्रथम वर्ष की कु. वृद्धि यादव ने प्राप्त किया। द्वितीय स्थान पर पीजीडीसीए की कु. चित्ररेखा राजपूत एवं तृतीय स्थान पर बी.एससी. कम्प्यूटर साईंस की कु. कुसुमलता तुरकाने रहीं जिन्हें पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मीनाक्षी सिंह एवं आभार प्रदर्शन डॉ. जागृत ठाकुर ने किया। कार्यक्रम में प्राध्यापकों, कर्मचारियों के साथ छात्राएँ बड़ी संख्या में उपस्थित थी।

गर्ल्स कॉलेज में वार्षिक सांस्कृतिक प्रतियोगितायें

महाविद्यालय, में वार्षिक प्रतियोगिताओं का दो दिवसीय आयोजन किया गया। कोविड-19 के कारण इस तरह की प्रतियोगितायें बहुत अंतराल के बाद रखी गई, जिससे छात्राओं में बेहद उत्साह दिखाई दिया। संयोजक डॉ. ऋचा ठाकुर ने बताया कि तात्कालिक भाषण के अतिरिक्त पूजा थाली सज्जा, मेंहदी, बेस्ट ऑफ वेस्ट, केश सज्जा, दुल्हन सज्जा स्पर्धायें रखी गई। इन सभी प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में छात्राओं की भागीदारी दर्ज हुई। भाषण प्रतियोगिता में 20 छात्राओं ने भाग लिया जिसमें प्रथम-प्रेरणा शर्मा, द्वितीय- काव्यशिखा, तृतीय- नीतू कुमारी रहीं। पूजा थाली सज्जा में 40 छात्राओं ने भागीदारी दिखाई प्रथम-प्रज्ञा कौशिक, द्वितीय - उमा साहू एवं तीसरे स्थान पर अंजली साह रहीं। मेहंदी प्रतियोगिता में 63 छात्राओं में से प्रथम लीना देवांगन, द्वितीय अलीशा तथा तृतीय स्थान सुचिता बारसागड़े ने पाया। बेस्ट ऑफवेस्ट में 34 छात्राओं ने भाग लिया जिनमें- प्रथम स्थान पर दो छात्रायें- कु. किरण वर्मा एवं किरण सोनबेर, द्वितीय- ऊषा एवं तृतीय स्थान प्रगति निषाद और सांत्वना महक परवीन ने प्राप्त किया। दुल्हन सज्जा में इस बार 39 छात्राओं ने भाग लिया। सभी प्रतिद्वंदियों को पछाड़ते हुये कु. मंतशा ने स्पर्धा में बाजी जीती वहीं द्वितीय स्थान पर कु. श्र ति जैन एवं तृतीय ईषिका विश्वास रहीं।

डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े की सेवानिवृत्ति पर बिदाई समारोह

महाविद्यालय की राजनीतिशास्त्र की प्राध्यापक डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े 40 वर्षो की सेवा के उपरांत सेवानिवृत्त हो गयी। इस अवसर पर महाविद्यालय में बिदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी ने कहा कि शासकीय सेवा का यह पड़ाव सभी के जीवन में आता है और हमने इतनी दीर्घ सेवा में जो खोया-पाया है वह स्मृति के रूप में हमारे पास रहता है। हमारे विद्यार्थी और उनकी सफलता ही शिक्षक की पूँजी होती है। डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने इस महाविद्यालय में दीर्घ सेवा दी है जो प्रसंशनीय है। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यपक डॉ. डी.सी. अग्रवाल एवं डॉ. अनिल जैन, डॉ. अनुजा चौहान, डॉ. सुनीता गुप्ता ने भी इस अवसर पर अपने संस्मरण सांझा किए। डॉ. खोब्रागड़े के परिवार के सदस्यों ने भी इस अवसर पर अपने विचार प्रस्तुत किये। डॉ. सुचित्रा खोब्रागड़े ने अपने सेवाकाल की विभिन्न स्मृतियों की चर्चा करते हुए अपनी उपलब्धियों पर सभी के आत्मीय सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया।

डॉ. सुशील चन्द्र तिवारी, प्राचार्य, शासकीय डॉ. वा.वा. पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रकाशित तथा विकल्प विमर्श, रायपुर द्वारा मुदित। (केवल आंतरिक वितरण हेतु)
फोन 0788-2212207 फैक्स 0788 2212207 Email- govtgirlspgcollege@gmail.com , **Website** : www.govt.girlspgcollegedurg.com